website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 308 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 15 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

विशाखापत्तनम में 15 यूएस बिलियन डॉलर का निवेश करेगी गूगल

- PM मोदी ने सुंदर पिचाई से एआई हब बनाने पर की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत कर कंपनी के पहले गूगल एआई हब की योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की। यह हब विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश मां स्थापित होगा और अमेरिका के बाहर गूगल का सबसे बड़ा AI हब होगा। पिचाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि इस हब के जरिए भारत में AI नवाचार को तेज किया जाएगा और देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह हब गीगावाट-स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता, नया अंतरराष्ट्रीय सब-सी गेटवे और बड़े पैमाने पर ऊर्जा अवसंरचना से लैस होगा। इसके माध्यम से गूगल भारत में उद्योगों और उपयोगकर्ताओं तक अपनी अग्रणी तकनीक पहुंचाएगा।

गूगल ने आज मंगलवार को 'भारत एआई शक्ति' कार्यक्रम के दौरान घोषणा की कि आने वाले पांच वर्षों में इस योजना पर 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जाएगा। वहीं गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन ने बताया कि यह हब गूगल के वैश्विक नेटवर्क से जुड़ा होगा और दुनिया के 12 देशों में फैले AI केंद्रों के नेटवर्क का हिस्सा बनेगा।

कुरियन ने कहा कि आंध्र प्रदेश AI हब गीगावाट-स्तरीय क्षमता तक बढ़ाया जाएगा और यह गूगल का अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा AI हब होगा। उन्होंने यह भी बताया कि गूगल भारत में लंबे समय से सक्रिय है, यहां 21 वर्षों से काम कर रहा है, और देश में

14,000 कर्मचारी पांच स्थानों पर काम कर रहे हैं। गूगल ने भारत में क्लाउड सेवाएं लॉन्च की हैं, दिल्ली और मुंबई में दो क्षेत्र हैं, और यहां अपने उपकरणों का निर्माण भी करता है।

इस हब में सब-सी केबल इन्फ्रास्ट्रक्चर भी शामिल होगा, जो भारत के विभिन्न हिस्सों को डिजिटल रूप से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण नेटवर्क केंद्र बनेगा। कुरियन ने इसे गूगल के वैश्विक कनेक्टिविटी नेटवर्क के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

शांति बहाली की दिशा में कदम :
मिस्र ने गाजा युद्ध विराम दस्तावेज पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में गाजा में युद्ध विराम समझौते को लेकर एक अहम दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस दस्तावेज़ पर चार देशों के मध्यस्थों ने साइन किए। इनमें मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल शामिल थे। हालांकि, इसमें न तो इजरायल और न ही हमास के प्रतिनिधि मौजूद थे।

यह समझौता मिस्र-अमेरिका की संयुक्त अध्यक्षता में शर्म अल-शेख में हुए शांति सम्मेलन में हुआ, जिसमें 20 से अधिक देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भाग लिया

यह समझौता मिस्र और अमेरिका की संयुक्त अध्यक्षता में शर्म अल-शेख में हुए शांति सम्मेलन में हुआ, जिसमें 20 से अधिक देशों के नेता और कई अंतरराष्ट्रीय संगठन शामिल हुए। शिखर सम्मेलन में अपने भाषण में सीसी ने कहा, "मैं इस महत्वपूर्ण और निर्णायक ऐतिहासिक मोड़ पर शर्म अल-शेख शांति शिखर सम्मेलन में आप सभी का स्वागत करता हूं, जहां हम सब मिलकर गाजा में युद्ध को समाप्त करने के लिए शर्म अल-शेख समझौते पर हस्ताक्षर होते हुए देखे हैं।"

अल-सीसी ने कहा कि इस युद्ध विराम योजना को पूरी तरह लागू किया जाना चाहिए ताकि दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में ठोस कदम बढ़ा सकें

सीसी ने कहा कि इस युद्ध विराम योजना को पूरी तरह लागू किया जाना चाहिए ताकि दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में ठोस कदम बढ़ा सकें। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य गाजा युद्ध समाप्त करने के लिए हुए शर्म अल-शेख समझौते को मजबूती देना था। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, यह समझौता 9 अक्टूबर को मिस्र, अमेरिका, कतर और तुर्की की मध्यस्थता से हुआ था। इसमें सभी देशों ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि युद्ध विराम कायम रखा जा सके, बंधकों की अदला-बदली पूरी हो, इजरायली सेनाएं पीछे हटें और मानवीय सहायता गाजा पट्टी तक पहुंच सके।

योजना के पहले चरण में: गाजा सिटी, रफा, खान युनिस और उत्तर इलाके से इजरायली सैनिकों की वापसी, कैदियों/बंधकों की अदला-बदली तथा पांच राहत चौकियों का खोलना शामिल है

योजना के पहले चरण में इजरायली सैनिकों का गाजा सिटी, रफा, खान यूनुस और उत्तर क्षेत्र से हटना, कैदियों और बंधकों की अदला-बदली और पांच राहत चौकियों का खुलना शामिल है। सोमवार को हमास ने जानकारी दी कि उसने बचे हुए 20 जीवित बंधकों को रिहा कर दिया है, जिन्हें 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिण इजरायल पर हमले के दौरान पकड़ा गया था। इस बीच, इजरायली अधिकारियों ने अदला-बदली समझौते के तहत लगभग 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना शुरू कर दिया है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों और खाद्य विशेषज्ञों के अनुसार, दो साल से ज़्यादा समय से चल रहे इजरायली सैन्य अभियानों ने गाजा को तबाह कर दिया है, जिसमें 67,000 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं और अकाल की स्थिति पैदा हो गई है।

सरकार ने शास्त्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए मुंबई विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता केंद्र किए स्थापित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने मुंबई विश्वविद्यालय में पाली, प्राकृत और अवेस्ता पहलवी और गुजरात विश्वविद्यालय में प्राकृत भाषाओं के अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं । इन केंद्रों का उद्देश्य उन्नत अनुसंधान, अनुवाद, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शिक्षाशास्त्र के साथ एकीकृत करना है।

वहीं, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के अंतर्गत विरासत और शास्त्रीय भाषाओं के संवर्धन और संरक्षण हेतु उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए देश भर के विश्वविद्यालयों को सहायता प्रदान कर रहा है।

इसी पहल के एक भाग के रूप में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने सोमवार को इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) में पीएमजेवीके के तहत 27.16 करोड़ रुपए की लागत से जैन अध्ययन केंद्र की शुरूआत की। इस अवसर पर "जैन धर्म और भारतीय ज्ञान प्रणाली" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन

किया गया।

इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्रशेखर कुमार तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव राम सिंह भी उपस्थित थे।

इस दौरान, डॉ. चंद्रशेखर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया और संकाय सदस्यों से बातचीत की। उन्होंने विश्वविद्यालय से जैन अध्ययन केंद्र को वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने और अनुसंधान, दस्तावेज़ीकरण और प्रसार के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल उपकरणों को एकीकृत करने का आग्रह किया।

उन्होंने प्रौद्योगिकी की भूमिका पर ज़ोर देते हुए व्यापक शैक्षणिक और सांस्कृतिक जुड़ाव के लिए विरासती भाषाओं के संरक्षण, डिजिटलीकरण और संवर्धन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की क्षमता पर प्रकाश डाला।

उत्तराखंड में परीक्षा गड़बड़ी पर सीएम धामी सख्त

-कहा- 'साजिश रचने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई'

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को यहां परीक्षा में गड़बड़ी के मामलों पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि राज्य को अराजकता की ओर धकेलने की साजिश रचने वाले लोग विकास कार्यों में बाधा डाल रहे हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं को रोकने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। इसके अलावा, डेमोग्राफिक चेंज रोकने के लिए राशन कार्ड, आधार कार्ड, बिजली कनेक्शन और बसावट में संलिप्त अपात्र लोगों पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जिला अधिकारियों को इस बाबत स्पष्ट आदेश जारी कर दिए गए हैं।

वहीं, परीक्षा गड़बड़ी के मुद्दे पर पुष्कर धामी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, "ऐसे लोग जो साजिश के तहत राज्य को अराजकता की ओर धकेलना चाहते हैं, वे विकास कार्यों में विघ्न डाल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रही योजनाएं और राज्य की विकास परियोजनाओं को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। वे फेक नेगेटिविटी फैला रहे हैं और लोगों में भ्रम पैदा कर रहे हैं।"

यह बयान हाल के स्नातक स्तरीय परीक्षा पेपर लीक मामले के बाद आया है, जिसमें धामी सरकार ने परीक्षा रद्द कर दी। हाल ही में जारी जांच आयोग की रिपोर्ट के आधार पर यह फैसला लिया गया, जिसमें करीब 1.05 लाख अभ्यर्थी शामिल थे। छात्रों और राजनीतिक दलों की मांग पर भाजपा विधायकों ने भी सीएम से मुलाकात की थी।

सीएम धामी ने कहा कि 2021 से 2025 तक प्रदेश में 25 हजार से अधिक नियुक्तियां बिना नकल के पारदर्शिता के साथ की गई हैं। सरकार परीक्षाओं को पूरी तरह नकलविहीन बनाने के लिए कटिबद्ध है। पेपर लीक माफिया के खिलाफ एसआईटी जांच चल रही है, जो हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की निगरानी में है। युवाओं की सीबीआई जांच की मांग पर सरकार ने संस्तुति करने का ऐलान किया।

उन्होंने कहा कि युवा त्योहारों के बीच आंदोलन कर रहे हैं, उनकी शंकाओं को दूर करना सरकार का दायित्व है। उन्होंने छात्रों से भावुक अपील की कि वे परीक्षा प्रक्रिया पर भरोसा रखें, क्योंकि राज्य में सरकारी नौकरियों के लिए उनके सपने पूरे होंगे।

भारत-कनाडा के बीच रिश्तों को 'पुनर्स्थापित और पुनर्जीवित' करने पर चर्चा

-AI से लेकर साइबर सुरक्षा तक इन मुद्दों पर सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनकी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद ने सोमवार को नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक

की। भारत-कनाडा की साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए दोनों नेताओं ने आवश्यक तंत्रों को 'पुनर्स्थापित और पुनर्जीवित' करने पर चर्चा की। इसके साथ ही एक महत्वाकांक्षी सहयोग रोडमैप पर सहमति जताई। भारत-कनाडा की ओर से जारी किए गए संयुक्त बयान में, विदेश मंत्री एस जयशंकर और अनीता आनंद ने सहयोग करने, सूचना और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करने और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी-अपनी जलवायु महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने पर सहमति जताई। इसके तहत नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता, भारी उद्योगों का कार्बन-मुक्तिकरण, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी, रसायनों के सुदृढ़ प्रबंधन का समर्थन और सतत उपभोग सुनिश्चित करना शामिल है। इसके अलावा, दोनों देशों ने एआई और डिजिटल अवसंरचना सहित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नए आयाम खोलने के लिए सहयोग बढ़ाने पर हामी भरी है। संयुक्त बयान में कहा गया है, "लोगों के बीच संबंध, आपसी समझ को बढ़ावा देने और दीर्घकालिक सहयोग के निर्माण के लिए, दोनों पक्ष शिक्षा, पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और व्यावसायिक गतिशीलता में सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए। उभरती प्रौद्योगिकियों (जैसे एआई, साइबर सुरक्षा और फिनटेक) में अनुसंधान साझेदारी पर जोर दिया जाएगा और विदेशी परिसरों के माध्यम से भारत में कनाडाई शैक्षणिक उपस्थिति का विस्तार किया जाएगा। इसमें कनाडा-भारत शैक्षणिक नेटवर्क और संस्थागत संबंधों को विस्तारित करने के लिए उच्च शिक्षा पर संयुक्त कार्य समूह को पुनर्जीवित करना भी शामिल है।" दोनों नेताओं ने वैश्विक मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया, जिसके तहत अधिक प्रभावी और समावेशी बहुपक्षीय संस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए काम किया जाएगा। दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद, जयशंकर ने कहा कि उन्होंने और अनीता आनंद ने वैश्विक घटनाक्रमों और साझा चुनौतियों के प्रति अपनी प्रतिक्रियाओं पर चर्चा की। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "आज नई दिल्ली में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हुई। हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक तंत्रों को पुनर्स्थापित और पुनर्जीवित करने हेतु रचनात्मक चर्चा हुई। वैश्विक घटनाक्रमों और साझा चुनौतियों के प्रति हमारी प्रतिक्रियाओं पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। हम एक महत्वाकांक्षी सहयोग रोडमैप पर भी सहमत हुए और अपने सहयोग के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया का नेतृत्व करने पर सहमत हुए ताकि यह हमारे नेताओं की अपेक्षाओं और हमारे लोगों के हितों को पूरा कर सके।"

योगी सरकार यूपी में 'गौ पर्यटन' से बढ़ाएगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

- हर जिले में बनेगा आदर्श गौशाला केंद्र

यूपी (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है, जिसके तहत राज्यभर की गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम शुरू किया गया है। इस पहल के तहत हर जिले में एक आदर्श गौशाला स्थापित की जाएगी, जिसे पर्यटन केंद्र यानी 'गौ पर्यटन' स्थल के रूप में भी विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय के नए अवसर पैदा करना है, बल्कि आत्मनिर्भर गौशालाओं को बढ़ावा देना भी है। राज्य सरकार ने बताया कि इस पहल के तहत "गौ पर्यटन" की अवधारणा को अपनाया जाएगा ताकि स्थानीय लोगों के लिए अतिरिक्त रोजगार और आय का साधन बनाया जा सके। इस योजना में गौ आधारित उत्पादों जैसे गोबर, गौमूत्र, दूध और घी के व्यावसायिक उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ ही महिलाओं के स्वयं सहायता समूह (SHGs) को स्थानीय स्तर पर गोबर से बने उत्पादों के उत्पादन और विपणन

में महत्वपूर्ण भूमिका दी जाएगी।

राज्य सरकार ने घोषणा की है कि दीपावली के अवसर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाकर गोबर से बने दीये, मूर्तियाँ और अन्य पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा दिया जाएगा। पशुधन एवं डेयरी विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि दीपावली के दौरान गोबर से बने दीये, मूर्तियां और सजावटी वस्तुएँ व्यापक स्तर पर बाजारों में उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से लोग "वोकल फॉर लोकल" अभियान से जुड़ेंगे और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी योगदान देंगे। पशुधन एवं डेयरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने बताया कि सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे गौशालाओं में गोबर और गौमूत्र के व्यावसायिक उपयोग के लिए स्थानीय स्तर पर योजनाएं तैयार करें। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस नई सोच के तहत यह कार्यक्रम गौ संरक्षण को एक नई दिशा देने के साथ-साथ स्थानीय उद्योगों और टिकाऊ आजीविका को भी प्रोत्साहित करेगा। यह पहल "आत्मनिर्भर भारत" और "स्थानीय उत्पादों के सम्मान" की भावना को और सशक्त करेगी।

दिवाली पर राजस्थान सरकार का तोहफा, छह लाख कर्मचारियों को मिलेगा बोनस

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को दिवाली के अवसर पर राज्य सरकार के करीब छह लाख कर्मचारियों के लिए तदर्थ बोनस की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह बोनस उन कर्मचारियों को मिलेगा जो पे लेवल L-12 या ग्रेड पे 4800 या उससे कम वेतनमान पर काम कर रहे हैं। हर पात्र कर्मचारी को अधिकतम 6774 का तदर्थ बोनस दिया जाएगा। सीएम भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, "दिवाली के अवसर पर राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए विशेष उपहार! हमारी सरकार, जो सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है, ने लगभग छह लाख कर्मचारियों को तदर्थ बोनस देने की घोषणा की है।" उन्होंने आगे बताया कि इस निर्णय का लाभ पंचायत समिति और जिला परिषद के कर्मचारियों को भी मिलेगा।

आईएमडी अलर्ट: चेन्नई समेत तमिलनाडु के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी), चेन्नई ने अगले कुछ दिनों के लिए तमिलनाडु में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि राज्य के 16 जिलों में मंगलवार को भारी बारिश हो सकती है और यह तेज बारिश का सिलसिला 19 अक्टूबर तक जारी रहने की संभावना है।

इन इलाकों में भारी वर्षा की संभावना

आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आज मंगलवार और बुधवार को कोयंबटूर, नीलगिरि, थेनी और तेनकासी के पहाड़ी इलाकों में भारी वर्षा की संभावना है। इसके अलावा तिरुप्पुर जिले के पहाड़ी क्षेत्र और इरोड, धर्मपुरी, सलेम, नमक्कल, करूर, डिंडीगुल, मदुरै, विरुधुनगर, तिरुचिरापल्ली, कल्लाकुरिची और तिरुवन्नामलाई जिलों में भी तेज बारिश की चेतावनी दी गई है।

15 और 16 अक्टूबर के लिए भारी बारिश का अलर्ट

15 और 16 अक्टूबर के लिए मौसम विभाग ने तिरुनेलवेली के पहाड़ी इलाकों और तटीय जिलों कन्याकुमारी, तूतीकोरिन, रामनाथपुरम और शिवगंगा में भारी बारिश का अलर्ट बढ़ा दिया है। वहीं, पुदुकोट्टई, तंजावुर, तिरुवारुर, नागपट्टिनम और मयिलादुथुरै में भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में बना कम दबाव का क्षेत्र और पूर्वी हवाओं की सक्रियता के कारण बारिश में तेजी आ रही है। चेन्नई में अगले दो दिनों तक मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

इन दिनों तमिलनाडु के कई हिस्सों में लगातार भारी बारिश

यह ताजा पूर्वानुमान ऐसे समय में आया है, जब हाल

के हफ्तों में तमिलनाडु के कई हिस्सों में लगातार भारी बारिश हो रही है। कोयंबटूर और तिरुप्पुर में इस महीने की शुरुआत में हुई मूसलाधार बारिश से अचानक बाढ़ की स्थिति बनी थी, जिससे सड़कों को नुकसान पहुंचा और यातायात बाधित हुआ। सलेम और इरोड जिलों में लगातार हो रही वर्षा से स्थानीय जलाशयों का जलस्तर बढ़ गया है, जिसके चलते एहतियातन छोटे बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़ा जा रहा है।

आपदा प्रबंधन विभाग ने पहाड़ी और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा

वहीं, नीलगिरि जिला प्रशासन सतर्क है क्योंकि पिछले सप्ताह कूनूर और कोटागिरि के पास कई भूस्खलन की घटनाएं सामने आई थीं, जिसके चलते सड़कों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। आपदा प्रबंधन विभाग ने पहाड़ी और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। किसानों को भी कटे हुए फसलों को सुरक्षित रखने और धान के खेतों की मेड़ों को मजबूत करने की सलाह दी गई है। राज्य सरकार ने सभी जिला कलेक्टरों को 24 घंटे निगरानी बनाए रखने और राहत दलों को तैयार रखने के निर्देश दिए हैं, क्योंकि सप्ताहांत तक व्यापक वर्षा जारी रहने की संभावना है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भारत की सौर ऊर्जा में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहे भारत के लिए यह गर्व की बात है कि वह अब दुनिया का तीसरा सबसे अधिक सौर ऊर्जा पैदा करने वाला देश बन गया है। यह उपलब्धि न केवल भारत की तकनीकी क्षमता और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति उसकी गंभीर प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर हमारे देश की ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन में योगदान का भी परिचायक है। सौर ऊर्जा, जो सूर्य की किरणों से उत्पन्न होती है, आज विश्वभर में एक साफ और टिकाऊ ऊर्जा स्रोत के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में लगातार निवेश और प्रयास किए हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि हमारी सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता अब 125 गीगावाट तक पहुंच गई है। केवल अमेरिका और चीन ही इस मामले में हमसे आगे हैं। यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है जब दुनियाभर में ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता को कम करने और सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में भारत ने न केवल लक्ष्य तय किए हैं, बल्कि उन्हें पूरा करने के लिए ठोस कदम भी उठाए हैं। सौर ऊर्जा की कुल उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ ही इसका कुल ऊर्जा मिश्रण में योगदान भी बढ़ा है। वर्तमान में भारत में सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी कुल ऊर्जा उत्पादन का 8.8 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

यह संख्या बताती है कि देश में नवीकरणीय ऊर्जा की ओर गंभीर रूप से कदम बढ़ाए जा रहे हैं और आने वाले वर्षों में इस हिस्सेदारी में और वृद्धि होने की संभावना है। विशेष रूप से गत जनवरी से जून तक के समय में सौर ऊर्जा उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह तेजी भारत में न केवल सरकारी योजनाओं, बल्कि निजी क्षेत्र और निवेशकों की सहभागिता का भी परिणाम है। कार्बन उत्सर्जन के संकट को कम करने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने के लिए दुनियाभर में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा पर जोर दिया जा रहा है। भारत ने भी इस दिशा में कई महत्वाकांक्षी योजनाएँ लागू की हैं। जैसे कि सौर ऊर्जा पार्कों का निर्माण, rooftop solar projects, और ग्रामीण क्षेत्रों में decentralized solar systems। इन पहलों से न केवल ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि हुई है, बल्कि ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिला है। भारत की यह सफलता केवल मात्रा में वृद्धि का परिणाम नहीं है, बल्कि गुणवत्ता, स्थायित्व और तकनीकी नवाचार की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदमों का प्रमाण है। सौर पैनलों और ऊर्जा संचयन तकनीक में नवाचार, डिजिटल मॉनिटरिंग और स्मार्ट ग्रिड सिस्टम की मदद से ऊर्जा की दक्षता बढ़ाई जा रही है।

भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली का नया युग: दंड से न्याय की ओर

-ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: औपनिवेशिक कानूनों से वर्तमान तक

भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली आज एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। यह केवल कानूनी ढांचे में बदलाव का समय नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतंत्र, नागरिक अधिकारों और तकनीकी प्रगति के समन्वय का प्रतीक है। एक जुलाई 2025 को देश ने न्यायिक इतिहास में एक नई इबारत लिखी, जब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) को औपचारिक रूप से लागू किया गया। ये तीनों आधुनिक कानून लगभग 150 वर्ष पुरानी औपनिवेशिक संहिताओं—भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम—की जगह ले चुके हैं। यह बदलाव केवल कागजों तक सीमित नहीं है। यह भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली को तकनीक संचालित, फोरेंसिक-एकीकृत और नागरिक केंद्रित बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। नई संहिताएं केवल अपराध की परिभाषा या सजा के निर्धारण तक सीमित नहीं हैं; ये न्याय प्रक्रिया में वैज्ञानिकता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता को लाने का प्रयास करती हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली की नींव अंग्रेजों ने 19वीं सदी में रखी थी। उस समय के कानून तत्कालीन सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप थे और औपनिवेशिक शासन की प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करते थे। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे कानून, ब्रिटिश शासन के नियंत्रण और दमन के उपकरण थे। आजादी के बाद, भारत ने इन कानूनों में समय-समय पर संशोधन किए, लेकिन मूल ढांचा वही रहा। यह ढांचा उस दौर के तकनीकी, सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण का

प्रतिनिधित्व करता था, जो अब 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए पर्याप्त नहीं है। साइबर अपराध, आतंकवाद, संगठित अपराध, डिजिटल धोखाधड़ी, और तकनीकी जटिलताओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पुराने ढांचे में मूलभूत बदलाव आवश्यक है। केवल सजा और दंड पर आधारित व्यवस्था अब न्यायपूर्ण और प्रभावी नहीं रह गई थी।

नई संहिताओं का उद्देश्य

नई संहिताओं का प्रमुख उद्देश्य दंड से न्याय की ओर स्थानांतरण है। यह परिवर्तन कई स्तरों पर दिखाई देता है: नागरिक केंद्रित दृष्टिकोण: अपराध के पीड़ित और समाज की सुरक्षा प्राथमिकता में रखी गई है। केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि न्याय सुनिश्चित करना और पीड़ित की रक्षा करना मुख्य लक्ष्य है। वैज्ञानिक और तकनीकी एकीकरण: नई संहिताएं फोरेंसिक विज्ञान, डिजिटल साक्ष्य और डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से जांच और अभियोजन को अधिक प्रभावी बनाती हैं। समानता और संवेदनशीलता: सामाजिक, जातीय या आर्थिक भेदभाव से स्वतंत्र, निष्पक्ष और संवेदनशील न्याय प्रक्रिया सुनिश्चित की गई है। साइबर और डिजिटल अपराध पर नियंत्रण: डिजिटल धोखाधड़ी, ऑनलाइन उत्पीड़न और डेटा उल्लंघन के मामलों के लिए स्पष्ट नियम बनाए गए हैं।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) ने अपराध की परिभाषा, उसकी श्रेणी और दंड निर्धारण में व्यापक बदलाव किया है। बीएनएस का मुख्य लक्ष्य केवल अपराध की सजा देना नहीं है, बल्कि समाज और व्यक्ति दोनों के दृष्टिकोण से न्याय सुनिश्चित करना है।

बीएनएस की कुछ प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं: अपराध की आधुनिक परिभाषाएं: साइबर अपराध, ऑनलाइन उत्पीड़न, संगठित अपराध, मानव तस्करी और पर्यावरण अपराध जैसी नई श्रेणियां शामिल की गई हैं। पुनर्वास और सुधार पर जोर: जेल या सजा का उद्देश्य केवल दंड नहीं, बल्कि अपराधी का सामाजिक और मानसिक सुधार भी है। सजा के विकल्प: जेल की बजाय आर्थिक जुर्माना, सामाजिक सेवा या सुधारात्मक कार्यक्रम को प्राथमिकता दी गई है। साक्ष्य के वैज्ञानिक मूल्यांकन: डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्यों को निर्णायक शक्ति प्रदान की गई है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस)

बीएनएसएस का उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा को कानून की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाना है। इसके तहत: सतत निगरानी और सुरक्षा उपाय: सार्वजनिक सुरक्षा प्रणालियों और डिजिटल निगरानी को कानूनी मान्यता दी गई। आपातकालीन अधिकार और प्रक्रियाएं: पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकार स्पष्ट रूप से परिभाषित किए गए। नागरिक अधिकारों का संतुलन: सुरक्षा उपायों के बावजूद नागरिकों के मौलिक अधिकार सुरक्षित रहें, इसका ध्यान रखा गया। बीएनएसएस ने सुनिश्चित किया है कि नागरिक सुरक्षा में कोई समझौता न हो, परन्तु लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन भी न हो।

भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए)

बीएसए ने साक्ष्य नियमों में वैज्ञानिक, तकनीकी और डिजिटल दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी है। नई संहिता में: डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की मान्यता: ई-मेल, चैट, सोशल मीडिया और डिजिटल ट्रांजेक्शन के साक्ष्य को कानूनी मान्यता दी गई। फोरेंसिक तकनीक का उपयोग: अपराध जांच में डीएनए, फिंगरप्रिंट, वीडियो फूटेज और अन्य वैज्ञानिक प्रमाणों की अहम भूमिका सुनिश्चित की गई। साक्ष्य की पारदर्शिता और सत्यापन: अदालत में पेश होने वाले सभी साक्ष्य का सत्यापन और प्रमाणीकरण अनिवार्य किया गया। इस बदलाव से न्याय प्रक्रिया न केवल तेजी से होगी, बल्कि निष्पक्ष और प्रमाणिक भी होगी।

तकनीकी नवाचार और डिजिटल न्याय

21वीं सदी में न्याय प्रक्रिया में तकनीक का समावेश आवश्यक है। नई संहिताएं डिजिटल और फोरेंसिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देती हैं: ई-कोर्ट और डिजिटल फाइलिंग: सभी मुकदमों की फाइलिंग, नोटिस और सुनवाई ऑनलाइन होगी। ऑनलाइन साक्ष्य प्रस्तुति: अदालत में साक्ष्यों की डिजिटल प्रस्तुति की सुविधा। डेटा एनालिटिक्स: अपराध पैटर्न और ट्रेंड की पहचान के लिए तकनीक का उपयोग। स्मार्ट ज्यूडिशियल सिस्टम: केस प्रबंधन और समय-सीमा निर्धारण में एआई आधारित सहायक। इस तरह न्याय प्रणाली तेज, पारदर्शी और प्रभावी बन रही है।

मानवाधिकार-संवेदी न्याय

नई संहिताओं का एक और महत्वपूर्ण पहलू मानवाधिकारों का संरक्षण है। इसमें: गैर-भेदभावपूर्ण न्याय: जाति, धर्म, लिंग, आर्थिक स्थिति या सामाजिक पहचान पर आधारित कोई भेदभाव नहीं। पीड़ितों और अपराधियों दोनों का संरक्षण: अपराधी के अधिकारों के साथ-साथ पीड़ित के अधिकारों की सुरक्षा भी। जेल सुधार और पुनर्वास: कैदियों को शिक्षा, कौशल विकास और मानसिक स्वास्थ्य सहायता। सामाजिक संवेदनशीलता: महिला, बालक, बुजुर्ग और विकलांग वर्ग के लिए विशेष सुरक्षा उपाय।

लोकतंत्र और न्याय प्रणाली

नई संहिताएं भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के साथ पूरी तरह मेल खाती हैं। लोकतंत्र में केवल कानून का पालन ही नहीं, बल्कि न्याय का समान और संवेदनशील वितरण भी आवश्यक है। नई संहिताओं ने इस दृष्टिकोण को अपनाया है: लोकतांत्रिक मूल्यांकन: कानून केवल दमन का साधन नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण और पारदर्शी प्रक्रियाओं का माध्यम। नागरिक सहभागिता: नागरिकों को न्याय प्रक्रिया में शामिल करने की पहल। संवैधानिक संतुलन: राज्य की सुरक्षा और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन।

चुनौतियाँ और भविष्य की दिशा

नए कानून लागू करने के बावजूद कुछ चुनौतियाँ हैं: तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता: न्यायाधीश, वकील और पुलिस को नई तकनीक और डिजिटल साक्ष्य की समझ। सुनवाई की गति: न्याय की प्रक्रिया तेज करने के लिए डिजिटल साधनों का सही उपयोग। सामाजिक जागरूकता: नागरिकों को उनके अधिकारों और नई संहिताओं के बारे में जागरूक करना। फोरेंसिक और साइबर नेटवर्क: जांच और न्याय प्रक्रिया को वैज्ञानिक आधार देने के लिए बेहतर संसाधन।

त्योहार और अर्थव्यवस्था: देश की आर्थिक रफ्तार में उत्सवों का योगदान

-त्योहारों का आर्थिक महत्व: खुशियाँ और कारोबार साथ-साथ

भारत को अक्सर 'त्योहारों का देश' कहा जाता है। यह कोई खाली शब्द नहीं है। हमारे देश में हर साल अनेक तरह के धार्मिक, सांस्कृतिक और क्षेत्रीय त्योहार मनाए जाते हैं। दीपावली, होली, ईद, क्रिसमस, दुर्गा पूजा, राखी, पोंगल, बैसाखी और अनेक स्थानीय उत्सव—इन सभी त्योहारों का जीवन में केवल सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व ही नहीं है, बल्कि ये आर्थिक गतिविधियों को भी तेज करते हैं और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

त्योहार: जीवन में संजीवनी

त्योहार केवल खरीदारी, मिठाई या उपहार देने का अवसर नहीं हैं। यह जीवन में ऊर्जा और उत्साह का संचार करते हैं। जब लोग अपने घरों को सजाते हैं, नए कपड़े पहनते हैं और अपने प्रियजनों को तोहफे देते हैं, तो यह केवल सामाजिक परंपरा नहीं होती, बल्कि यह आर्थिक गतिविधियों का भी हिस्सा बन जाती है। घर-परिवार में खुशहाली और मेलजोल बढ़ता है। बच्चे, बुजुर्ग और युवा सभी एक साथ मिलकर उत्सव मनाते हैं, जिससे समाज में मेलजोल और सामूहिक भावना प्रबल होती है।

त्योहार और रोजगार सृजन

त्योहार न केवल मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि ये रोजगार सृजन का भी बड़ा साधन हैं। उदाहरण के लिए, दीपावली में लाइट, मिठाई, कपड़े और गहनों की बिक्री बढ़ जाती है। होली में रंगों और मिठाइयों की मांग अधिक होती है। इस दौरान छोटे व्यापारी, दुकानदार, ऑनलाइन और ऑफलाइन रिटेल स्टोर, परिवहन सेवाएं, बैंक, पैकेजिंग उद्योग और कई अन्य क्षेत्रों में रोजगार बढ़ता है। असल में, त्योहारों के समय न केवल मौजूदा रोजगार को मजबूत किया जाता है, बल्कि अस्थायी रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं।

त्योहारों में व्यापार का विशाल क्षेत्र

भारत में त्योहारों के समय लाखों-करोड़ों रुपए का कारोबार होता

है। सिर्फ इस साल ही, अनुमान है कि ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म पर लगभग छह लाख करोड़ रुपए का कारोबार होगा। इसमें से ऑनलाइन बिक्री लगभग 1.20 लाख करोड़ रुपए तक पहुँच सकती है। यह आंकड़ा हमारी वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 3.2% है। यह स्पष्ट करता है कि त्योहार केवल आनंद का माध्यम नहीं, बल्कि देश की आर्थिक गति को बढ़ाने वाला एक बड़ा स्तंभ भी हैं। ई-कॉमर्स कंपनियां इस अवसर का फायदा उठाने में आगे रहती हैं। इस साल भी बड़ी कंपनियों ने पहले ही डिस्काउंट ऑफर और विशेष प्रचार अभियान शुरू कर दिए हैं। उनका उद्देश्य न केवल बिक्री बढ़ाना है, बल्कि ग्राहकों को उत्सव के समय खरीदारी के लिए आकर्षित करना भी है।

जीएसटी में बदलाव और त्योहारी बिक्री

अनुसंधान फर्म 'डेटम इंटेलिजेंस' की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में आमजन के अनुकूल बदलाव ने त्योहारी बिक्री को बढ़ावा दिया है। टैक्स स्लैब कम होने से कई आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कमी आई है। इसका सीधा फायदा यह हुआ कि लोग ज्यादा खरीदारी करने लगे। इस बदलाव के चलते त्योहारी बिक्री में 15% से 20% की बढ़ोतरी की संभावना है। कुल मिलाकर, इस साल की त्योहारी बिक्री 1.20 लाख करोड़ रुपए तक पहुँच सकती है।

ऑनलाइन और ऑफलाइन व्यापार में संतुलन

भारत में अभी भी अधिकांश खरीदारी ऑफलाइन होती है। लोग दुकान पर जाकर वस्तुएं चुनना पसंद करते हैं। खासकर त्योहारों के समय, बाजारों में भीड़ बढ़ जाती है। दुकानदार अपने स्टॉक, डिस्प्ले और सेवाओं को बेहतर बनाते हैं ताकि ग्राहकों को आकर्षित किया जा सके। वहीं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने भी तेजी से अपनी पकड़ बनाई है। डिजिटल भुगतान, तेज डिलीवरी और आकर्षक ऑफर के कारण ऑनलाइन शॉपिंग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

त्योहार और उपभोक्ता व्यवहार

त्योहार उपभोक्ताओं के व्यवहार को भी प्रभावित करते हैं। लोग इस अवसर को खरीदारी का सबसे अच्छा समय मानते हैं। नया साल, दीपावली या ईद जैसे अवसरों पर लोग अधिक खर्च करने को तैयार रहते हैं। यह केवल व्यक्तिगत आवश्यकता पूरी करने का समय नहीं है, बल्कि परिवार, मित्र और समाज के साथ खुशियाँ साझा करने का भी समय होता है। उदाहरण के लिए, दीपावली में दीयों, मिठाइयों, नए कपड़ों और गहनों की खरीदारी बढ़ जाती है। इसी तरह, होली में रंग, पिचकारी और जल संबंधी सामान की मांग अधिक रहती है। क्रिसमस और नये साल के समय उपहारों और सजावट की बिक्री बढ़ती है। इस तरह हर त्योहार के अनुसार आर्थिक गतिविधियों का पैटर्न बदलता है और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।

छोटे उद्योगों और स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा

त्योहारों का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ छोटे उद्योगों और स्थानीय व्यवसायों को होता है। जब लोग मिठाई, हलवा, लड्डू, रंग, सजावट के सामान आदि खरीदते हैं, तो यह स्थानीय उद्योगों के लिए आय का बड़ा स्रोत बन जाता है। छोटे कारीगर, हस्तशिल्पकार और दुकानदार अपने उत्पादों को त्योहारों के समय बड़े पैमाने पर बेच पाते हैं। यह न केवल उनकी आमदनी बढ़ाता है, बल्कि रोजगार के अवसर भी सृजित करता है।

त्योहार और पर्यटन उद्योग

त्योहार केवल घरेलू अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि पर्यटन उद्योग के लिए भी वरदान साबित होते हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्यों में त्योहारों के समय बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। ये पर्यटक होटल, परिवहन, भोजन, स्थानीय बाजार और पर्यटन स्थलों में खर्च करते हैं। इससे राज्य और देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

त्योहार और वित्तीय बाजार

त्योहारों के समय लोग उपभोग और निवेश के लिए भी उत्साहित रहते हैं। बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं में लेन-देन बढ़ जाता है।

भारत में डॉक्टरों की कमी और स्वास्थ्य सेवाओं की बिगड़ती स्थिति: ग्रामीण और शहरी परिदृश्य

-मेडिकल कॉलेजों और नई पीढ़ी के डॉक्टर

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की समस्या आज एक गंभीर राष्ट्रीय मुद्दा बन चुकी है। शहरों के सरकारी अस्पतालों की हालत पहले ही चिंताजनक थी, लेकिन ग्रामीण भारत में स्थिति और भी भयावह है। यहां न केवल अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं की कमी है, बल्कि डॉक्टरों और विशेषज्ञों की भारी कमी भी एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। मरीजों की बढ़ती संख्या और डॉक्टरों के खाली पड़े पद—दोनों मिलकर स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली के सबसे बड़े कारण बन चुके हैं। शहरों में मरीजों की भीड़ से अस्पतालों में उपचार की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जबकि ग्रामीण इलाकों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण गंभीर बीमारियों का सही इलाज तक नहीं हो पाता।

सरकारी नीतियां और जमीन पर स्थिति

स्वास्थ्य सेवाओं की नीतियों और योजनाओं की कमी नहीं है। केंद्र और राज्य सरकार समय-समय पर नई योजनाएँ और कार्यक्रम लागू करते रहते हैं। लेकिन जमीन पर इनका प्रभाव कम ही दिखाई देता है। सरकारी अस्पतालों में जरूरी संसाधनों की कमी, तकनीकी उपकरणों का अभाव और डॉक्टरों के लगातार कम रहना, इन नीतियों के प्रभाव को सीमित कर देता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (CHC) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC) पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी ने ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को लगभग क्रांतिकारी रूप से कमजोर कर दिया है। यदि विशेषज्ञ डॉक्टर न हों तो सर्जरी, प्रसूति या गंभीर बीमारियों के उपचार में देरी होती है और मरीजों की जान जोखिम में पड़ती है। केंद्र सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण इलाकों में 21,964 विशेषज्ञ डॉक्टरों की आवश्यकता है। लेकिन वर्तमान में केवल 20% डॉक्टर तैनात हैं। यानी 80% पद खाली हैं। इन हालात में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की उम्मीद करना लगभग असंभव है।

प्रमुख राज्यों की स्थिति

विशेष रूप से राजस्थान, उत्तर

प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में ग्रामीण क्षेत्रों में सर्जन, फिजीशियन, बाल रोग और स्त्री रोग विशेषज्ञों की भारी कमी देखी गई है। इस कमी के कारण ग्रामीण मरीजों को गंभीर बीमारियों का इलाज कराने के लिए अक्सर शहरों का रुख करना पड़ता है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश में तो स्थिति और भी जटिल है। छोटे कस्बों और दूरदराज़ के गांवों में स्वास्थ्य केंद्र या तो बंद हैं या पर्याप्त डॉक्टर नहीं हैं। मरीजों को इलाज के लिए कई किलोमीटर का सफर करना पड़ता है, और कई बार समय पर इलाज न मिल पाने के कारण जानलेवा परिस्थितियाँ उत्पन्न हो जाती हैं।

रिक्त पदों के पीछे का कारण

डॉक्टरों की कमी का मुख्य कारण सरकारी भर्ती प्रक्रिया की जटिलता और निजी क्षेत्र की ओर युवाओं का झुकाव है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि लगभग 80% एमबीबीएस स्नातक सरकारी ग्रामीण नौकरी की बजाय निजी क्षेत्र या उच्च शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं। सरकारी नौकरी में तैनाती के लिए लंबी प्रक्रियाएं, कम वेतन और सीमित करियर विकास के अवसर डॉक्टरों को रोकते हैं। इसके विपरीत, निजी अस्पतालों में उच्च वेतन, बेहतर सुविधाएँ और करियर में तेजी से उन्नति के अवसर उपलब्ध हैं। यही कारण है कि सरकारी ग्रामीण अस्पतालों में डॉक्टरों की संख्या पर्याप्त नहीं हो पाती।

मरीजों पर प्रभाव

डॉक्टरों की कमी और स्वास्थ्य सेवाओं की खराब स्थिति का सबसे बड़ा असर सीधे मरीजों पर पड़ता है। ग्रामीण इलाकों में लोग गंभीर बीमारियों का सही समय पर इलाज नहीं करा पाते। महिला और बच्चों की स्वास्थ्य सेवाओं में कमी के कारण मातृ एवं शिशु मृत्यु दर बढ़ रही है। यदि सर्जन या स्त्री रोग विशेषज्ञ न हों तो जटिल प्रसूति मामलों में मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है। बाल रोग विशेषज्ञों की कमी से छोटे बच्चों की गंभीर बीमारियों का सही समय पर इलाज नहीं हो पाता। ऐसे में, ग्रामीण मरीजों के लिए निजी अस्पताल की ओर रुख करना भी महंगा और असुरक्षित हो जाता है।

मेडिकल कॉलेजों का योगदान

मेडिकल कॉलेजों की संख्या हाल के वर्षों में बढ़ी है। नए कॉलेज खुलने से डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि हुई है, लेकिन इसका लाभ आम मरीज तक नहीं पहुंच पा रहा। नए डॉक्टर ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में या निजी क्षेत्र में ही काम करना पसंद करते हैं। सरकारी नीतियाँ यह सुनिश्चित करने में विफल रही हैं कि मेडिकल कॉलेजों से निकले नए डॉक्टर ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में जाएँ। इसके लिए प्रेरक नीतियों और पर्याप्त सुविधाओं की आवश्यकता है।

सरकारी प्रयास और उनकी सीमाएँ

सरकार समय-समय पर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए कई योजनाएँ लागू करती रही है। जैसे: राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (NRHM) – ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों के लिए बेहतर सुविधाएँ और डॉक्टरों की तैनाती। डॉक्टरों को ग्रामीण क्षेत्रों में भेजने के लिए प्रोत्साहन – उच्च वेतन, भत्ता और अतिरिक्त लाभ। टेलीमेडिसिन की सुविधा – विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के बावजूद ऑनलाइन सलाह। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद जमीन पर बदलाव कम ही दिखाई देता है। नीतियाँ तो हैं, लेकिन उनके सही क्रियान्वयन और डॉक्टरों की स्थायी तैनाती में कमी स्वास्थ्य सेवाओं की समस्या को और बढ़ा देती है।

समाधान के विकल्प

इस गंभीर समस्या का समाधान करना आवश्यक है, क्योंकि स्वास्थ्य मानव जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। कुछ संभावित समाधान निम्नलिखित हैं:

डॉक्टरों को ग्रामीण क्षेत्र में आकर्षित करना

उच्च वेतन, बोनस और भत्ते। करियर में तेजी से उन्नति के अवसर। बच्चों के लिए शिक्षा और जीवन शैली में सुविधाएँ।

स्थानीय प्रतिभा का विकास

ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को मेडिकल शिक्षा में प्रोत्साहित करना। उन्हें ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में प्रशिक्षण और पोस्टिंग।

यूनानी चिकित्सा विभाग में नव नियुक्त निदेशक डॉ. हनुमान प्रसाद का सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। यूनानी चिकित्सा विभाग के नव नियुक्त निदेशक डॉ. हनुमान प्रसाद द्वारा कार्यभार ग्रहण किए जाने के उपलक्ष्य में 9 अक्टूबर 2025 को एक गरिमामय स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग के समस्त अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर 2023 बैच के नवनियुक्त यूनानी चिकित्सा अधिकारियों द्वारा निदेशक का स्वागत पुष्पगुच्छ, साफा, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। समारोह के दौरान उपस्थित चिकित्सकों ने डॉ. हनुमान प्रसाद के अनुभव, नेतृत्व क्षमता और दूरदर्शी सोच की सराहना करते हुए उनके कार्यकाल में यूनानी विभाग के सर्वांगीण विकास की उम्मीद जताई। अपने संबोधन में निदेशक डॉ. हनुमान प्रसाद ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विभाग की उन्नति, कार्य संस्कृति में सुधार और यूनानी चिकित्सा के प्रसार के लिए वे सतत प्रयासरत रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन 2023 बैच के नवनियुक्त यूनानी चिकित्सा अधिकारियों द्वारा किया गया।

आधी आबादी के उत्साह से गुलजार हुई नारी चौपाल

- सक्षम जयपुर अभियान के तहत आमेर के खोरा मीणा में हुआ आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप सक्षम जयपुर अभियान एवं बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जिले के प्रत्येक उपखंड पर नारी चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार मंगलवार को आमेर के खोरा मीणा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में नारी चौपाल कार्यक्रम उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में हजारों महिलाओं एवं बालिकाओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और अपने हुनर का प्रदर्शन किया। मारवाड़ी गीत, लोक नृत्य, नुक्कड़ नाटक, आत्मरक्षा प्रशिक्षण जैसी विविध गतिविधियों ने चौपाल को सजीव बना दिया। महिलाओं ने "हम होंगे कामयाब" और "मेरा काम—मेरा सम्मान" प्रस्तुतियों के माध्यम से आत्मविश्वास और स्वावलंबन का संदेश दिया। सफलता की कहानियों के जरिए अनुभव साझा किए गए और महिला सशक्तिकरण की प्रेरणा दी गई। आयोजन के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं ने सक्षम जयपुर अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर किए तथा बेटी बचाओ—बेटी पढ़ाओ की शपथ भी ली। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी मृणाल ने विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला रसद अधिकारी श्रीमती संघमित्रा बरड़िया, सहायक निदेशक लोकसेवाएं श्रीमती देवियानी, उपखंड अधिकारी बजरंग लाल स्वामी सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि नारी चौपाल का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना है। चौपाल के माध्यम से महिलाओं को सरकार की योजनाओं, अधिकारों एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है, साथ ही उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन चौपालों के जरिये समाज में लिंगानुपात सुधार, महिला गरिमा व सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा समान अवसरों की दिशा में संवाद स्थापित किया जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से संचालित योजनाओं, नियमों और अधिनियमों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी इस पहल का हिस्सा है, जिससे समतामूलक समाज का निर्माण संभव हो सके। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा, शिक्षा, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने महिलाओं से संवाद कर स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, पोषण, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर जानकारी दी तथा उन्हें प्रेरित करने के लिए सफलता की कहानियाँ साझा कीं। चौपाल स्थल पर योजनाओं से जुड़ी सहायता काउंटर भी लगाए गए, ताकि महिलाओं को मौके पर ही आवश्यक जानकारी और सहयोग मिल सके। डॉ. डोगीवाल ने बताया कि जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर के सभी उपखंडों में नारी चौपाल का आयोजन चरणबद्ध रूप से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नारी चौपाल केवल संवाद का मंच नहीं, बल्कि यह महिलाओं को आत्मविश्वास, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने का अवसर है। इससे सरकार की योजनाएं अधिक प्रभावी रूप से महिलाओं तक पहुँचेंगी और समाज में उनकी भागीदारी और मजबूत होगी। यह पहल निश्चित रूप से महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव सिद्ध होगी और जिले की हजारों महिलाओं को सीधे लाभान्वित करेगी।

भारतीय इलैक्ट्रॉहोम्योपैथिक चिकित्सक मंच ज्ञानवर्धक व प्रेरणादायक

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय इलैक्ट्रॉहोम्योपैथिक चिकित्सक मंच का कार्यक्रम जयपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. के.एल. रक्षावत, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. शब्बीर खान, डॉ. पी.एन. व्यास और डॉ. राकेश राव उपस्थित थे।

शैक्षणिक सत्र और अनुभव साझा करना

शैक्षणिक सत्र में, विभिन्न चिकित्सकों ने इलैक्ट्रॉहोम्योपैथी के अपने अनुभवों को विस्तार से साझा किया। यह सत्र न केवल ज्ञानवर्धक था, बल्कि उपस्थित चिकित्सकों के लिए प्रेरणादायक भी रहा।

सम्मान समारोह

डॉ. हितेष दीक्षित ने मंच के माध्यम से सभी उपस्थित चिकित्सकों का सम्मान किया। यह सम्मान समारोह उपस्थित चिकित्सकों के लिए एक यादगार पल था।

कार्यक्रम का शुभारंभ और भागीदारी

कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें राजस्थान के विभिन्न जिलों से वरिष्ठ चिकित्सकों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम इलैक्ट्रॉहोम्योपैथी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम था और इसने चिकित्सकों को अपने अनुभव साझा करने और एक दूसरे से सीखने का अवसर प्रदान किया।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित नदबई दौरे की तैयारियों का लिया जायजा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के शनिवार 18 अक्टूबर को भरतपुर जिले के नदबई में प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लेकर सहकारिता मंत्री गौतम दक ने मंगलवार को नदबई कृषि उपज मंडी में सभा स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्थाओं को समयबद्ध और सुचारू रूप से पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सहकारिता मंत्री ने सभा स्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की सभा में आने वाले आमजन की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने छाया, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, वाहन पार्किंग और अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, सभा स्थल पर सभी व्यवस्थाएं समय पर दुरुस्त होनी चाहिए ताकि कार्यक्रम सुचारू और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। सहकारिता मंत्री ने बताया कि नदबई में आयोजित होने वाले आयोजन न केवल मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर महत्वपूर्ण है, बल्कि किसानों के लिए आर्थिक सहायता

इस सम्मेलन के दौरान प्रदेश के लगभग 75 लाख किसानों के बैंक खातों में किसान सम्मान निधि की पहली किस्त सीधे ट्रांसफर की जाएगी। यह पहल राज्य सरकार की किसानों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों की आय को बढ़ाने और उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि यह प्रदान करने की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। राज्य सरकार की यह पहल किसानों के कल्याण और ग्रामीण विकास के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित होगी। भरतपुर जिला कलक्टर कमर चौधरी ने सभा स्थल पर की जाने वाली व्यवस्थाओं एवं आवश्यक तैयारियों के बारे में जानकारी देते हुए सहकारिता मंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना समय पर कराने की बात कही।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स:

गैंगस्टर अमित शर्मा उर्फ जैक पण्डित अमेरिका में गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लॉरेन्स विश्नोई गैंग के सक्रिय गैंगस्टर वर्तमान में रोहित गोदारा गैंग से संबंध रखने वाले गैंगस्टर अमित शर्मा उर्फ जैक पण्डित को एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स राजस्थान की सूचना पर सी.बी.आई. की इन्टरपोल ब्रान्च के माध्यम से अमेरिकी एजेन्सियों को सूचित करने पर अमित शर्मा उर्फ जैक पण्डित को किया डिटेन, जिसको भारत लाने के प्रयास जारी हैं।

अपराध शाखा/एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के अति. महानिदेशक दिनेश एम.एन. के निर्देशन में संगठित आपराधिक गिरोह के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए रोहित गोदारा गैंग का फरार कुख्यात अपराधी अमित शर्मा उर्फ जैक पण्डित जो गैंग के लिए विदेशों में बैठकर आपराधिक गतिविधियां कर रहा था, यह गैंग के लिए फाइनेंस का काम सम्भालता था, जिसके लिए वह एक्सर्टेशन मनी को विदेशों में रिसीव करने एवं विभिन्न माध्यमों से गैंग के सदस्यों तक पहुंचाने का मुख्य रूप से कार्य करता था। इसके अलावा इस गैंग के जो सदस्य भारत से विदेशों में छुपने के लिये भाग जाते थे उनको विदेशों में शरण दिलाने एवं उनको पैसा उपलब्ध करवाना, उनके लिये फर्जी दस्तावेज तैयार करवाने का काम कर रहा था। रोहित गोदारा जब भारत से भागकर गया था तो अमित पण्डित ने ही इसकी रूकवाने की व्यवस्था की थी। अमित शर्मा ने लॉरेन्स गैंग के लिये आपराधिक गतिविधियां शुरू की

जिसकी सूचनाएं प्राप्त हुई, जिस पर तत्कालीन उप महानिरीक्षक पुलिस, योगेश यादव, सी.आई.डी. (सी.बी.) के सुपरविजन में कार्यवाही शुरू की गई, जिसको वर्तमान उप महानिरीक्षक पुलिस, दीपक भार्गव, सी.आई.डी. (सी.बी.), राज., जयपुर के सुपरविजन में निरन्तर जारी रखकर ए.जी.टी.एफ. की टीम को कार्यवाही करने के लिये सक्रिय किया गया।

अपराधी अमित शर्मा उर्फ जैक पण्डित पुत्र विनोद शर्मा निवासी 15 जेड, पुलिस थाना मटीली राठान, जिला श्रीगंगानगर के कई प्रकरणों में वांछित चल रहा था। इसी दौरान मौका पाकर यह विदेश भाग गया था और गैंग के लिये सक्रिय रूप से काम करने लग गया। ए.जी.टी.एफ. की टीम ने इसके विदेश में होने की सूचनाएं प्राप्त की। इस अपराधी की आपराधिक गतिविधि और गैंग में इसके सक्रियता के संबंध में श्रीमती अमृता दुहान, पुलिस अधीक्षक जिला श्रीगंगानगर ने भी काफी सूचनाएं एकत्रित की एवं इसके गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए कार्यवाही प्रारम्भ की गई। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार यह अपराधी भारत से दुबई, दुबई से स्पेन और स्पेन से कुछ अन्य देशों से होते हुए अमेरिका पहुंचा। इसके अमेरिका और स्पेन में होने की सुचना प्राप्त होने पर सी.बी.आई. इन्टरपोल ब्रान्च के माध्यम से अमेरिकन एजेन्सियों को इसके रेड कार्नर नोटिस व अन्य दस्तावेज भेजकर सूचित किया गया, जिस पर अमेरिकन एजेन्सियों ने इसको डिटेन कर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

भौनावास के शहीद अग्निवीर भीम सिंह का सैन्य एवं राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

- कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ समेत हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उत्तराखंड के हर्षिल घाटी आर्मी कैंप के पास गत 5 अगस्त को बादल फटने की प्राकृतिक आपदा के बाद धराली में चलाए गए बचाव ऑपरेशन के दौरान भू-स्खलन में लापता हुए 20 वर्षीय अग्निवीर भीम सिंह शेखावत का मंगलवार को उनके पैतृक गांव भौनावास में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इससे पूर्व शहीद की पार्थिव देह के उनके पैत्रक गांव पहुंचने पर सेना द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान कौशल नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, सांसद जयपुर ग्रामीण राव राजेन्द्र सिंह, कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल, बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं जिला कलेक्टर श्रीमती प्रियंका गोस्वामी, पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र बिश्नोई, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण, पावटा एसडीएम श्रीमती साधना शर्मा, एसीईओ श्रीमती सुशीला यादव, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ऋषिदेव यादव सहित जिला प्रशासन के अधिकारी और सैन्य टुकड़ियां और हजारों की लोगों ने अमर शहीद को श्रृद्धांजलि दी। प्रागपुरा

थाने से ग्राम भौनावास में शहीद के घर तक तिरंगा रैली निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों ने पार्थिव देह पर पुष्प वर्षा की।

राठौड़ ने शहीद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी वीरता और कर्तव्यपरायणता सदैव हमारे दिलों में जीवित रहेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। भारतीय सेना में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा, उन्होंने वर्दी का मान बढ़ाया है। शहीद के परिजनों को इस शोक के समय में सहनशीलता एवं संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि सरकार और भारतीय सेना उनके परिजनों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ऋषिदेव यादव ने बताया कि भीम सिंह इस प्राकृतिक आपदा से करीब 9 महीने पहले 14 राजपूताना राइफल्स में बतौर अग्निवीर भर्ती हुए थे। यह उनकी पहली पोस्टिंग थी।

व्यापारियों ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

- आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर बाजार बंद कराने की कोशिश

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के मुख्य बाजार में परमानंद रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान पर हुई तोड़फोड़ और दहशत फैलाने की घटना को लेकर मंगलवार को व्यापारियों में भारी आक्रोश देखने को मिला। आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर व्यापारियों ने बाजार बंद कराने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और व्यापारियों से बातचीत कर समझाइश दी। थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया कि सभी दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस के आश्वासन के बाद व्यापारियों ने शांति बनाए रखी। जानकारी के अनुसार, दो दिन पूर्व कस्बे के परमानंद रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान पर करीब 15 से 20 युवक लाठी-सरिए लेकर पहुंचे और दुकान में जमकर तोड़फोड़ की। अचानक हुए इस हमले से बाजार में अफरा-तफरी मच गई थी। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सुरेंद्र मीणा उर्फ सोनू (पुत्र मुकेश मीणा, उम्र 21 वर्ष, निवासी श्यामपुर, विराटनगर) और पवन पवार (पुत्र परशुराम धोबी, उम्र 20 वर्ष, निवासी मैड, विराटनगर) को गिरफ्तार

किया है, वहीं एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। पुलिस का कहना है कि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार किया जाएगा। थाना प्रभारी ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि कानून से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस आश्वासन के बाद व्यापारी शांत हुए और स्थिति सामान्य हो गई।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने दीपावली पर्व को लेकर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने दीपावली पर्व के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। महापौर ने बताया कि दीपोत्सव के अवसर पर प्रमुख चौराहों, धार्मिक स्थलों, मंदिरों पर 51 हजार गोमय दीपक जलाये जायेगे साथ ही प्रमुख मंदिरों, धार्मिक स्थलों पर रंगोली एवं रोशनी की व्यवस्था की जायेगी। उन्होंने सभी जोन उपायुक्तों को विशेष सफाई अभियान चलाया जाने के निर्देश दिये साथ ही हॉपर्स के कचरा संग्रहण हेतु लगने वाले चक्करों की संख्या बढाई जाने, सी.एण्ड.डी वेस्ट हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाये, खुले में कचरा नहीं मिले व ओपन डिपो नही मिले, इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाकर इन्हें समाप्त किये जाने के सभी जोन उपायुक्तों दिये। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि विभिन्न स्थानों पर जहां सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था नहीं है वहां उचित प्रकाश व्यवस्था की जावे, सड़कों एवं मार्गो के खुले सीवर हॉल, गड्ढे रिपेयर कर उन्हें तत्काल भरवाया जाये, दीपावली पर किसी भी प्रकार की आकस्मिक अग्नि दुर्घटना नहीं हो, इसके लिए भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में मॉक ड्रिल कर आमजन व व्यावसायियों को जागरूकर किया जाने, बिना लाईसेंस किसी प्रकार से कोई भी पटाखों की दुकानों, काउन्टर नहीं चले, फायर शाखा के संसाधनों की समय पर सर्विसिंग आदि करवाकर फायर स्टाफ को अलर्ट मोड पर रखा जाये व सुनिश्चित किया जावे कि यदि कोई दुर्घटना घटित हो तो जल्द सुविधा उपलब्ध करायी जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

पशुपालकों को मिली बड़ी राहत, जारी हुआ 7 माह का अनुदान

-विधायक यादव ने विधानसभा में उठाया था मुद्दा

शाहपुरा (रॉयल पत्रिका)। दीपावली से पहले पशुपालकों के लिए राहत भरी खबर आई है। पशुपालको को मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के अंतर्गत लंबित अनुदान का भुगतान किया गया। गोरतलब है कि कांग्रेस विधायक मनीष यादव द्वारा सदन में एवं पत्र के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया था जिसके फलस्वरूप प्रदेश के लगभग 5 लाख पशुपालको को लगभग 7 माह का अनुदान जारी किया गया है। विधायक यादव ने कहा कि यह अनुदान प्रदेश के पशुपालकों के लिए आर्थिक संबल सिद्ध होगा और उन्हें दीपावली का त्यौहार भी खुशहाली के साथ मनाने में मदद करेगा। विधायक यादव ने कहा कि अब भी लगभग 2 माह का अनुदान बकाया है, जिसे शीघ्र जारी किया जाना आवश्यक है। विधायक यादव ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि हर बार अनुदान भुगतान में देरी से पशुपालकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए आवश्यक है कि अनुदान भुगतान की प्रक्रिया को नियमित किया जाए, ताकि पशुपालकों को समय पर योजना का लाभ मिल सके और उन्हें बार-बार गुहार नहीं लगानी पड़े। विधायक ने कहा कि यह योजना पशुपालन जैसे आजीविका के महत्वपूर्ण क्षेत्र में कार्यरत लाखों परिवारों के जीवन से सीधा जुड़ी है, अतः समयबद्ध भुगतान से ही इसका उद्देश्य पूर्ण हो सकेगा।

आगामी दीपोत्सव के अवसर पर अग्निशमन शाखा की कार्रवाई

-178 संस्थानों को मौके पर ही दिये नोटिस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर की अग्निशमन शाखा ने आगामी दीपोत्सव के अवसर पर किसी भी प्रकार की अनहोनी ना हो इसके लिये अलर्ट मोड पर रहकर कार्य कर रही है। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश के बाद मंगलवार को सभी जोन की टीमों द्वारा अग्निसुरक्षा की दृष्टि से करीब 400 संस्थानों का सर्वे किया गया। जिसके अन्तर्गत मालवीय नगर जोन के 61 संस्थान, मानसरोवर जोन के 66, विद्याधर नगर जोन के 52, मुरलीपुरा जोन के 38, जगतपुरा जोन के 26, झोटवाडा जोन के 135 एवं सांगानेर जोन के 22 संस्थानों का सर्वे किया गया। जिसमें सर्वे के दौरान 400 में 212 संस्थान जिनमें अग्निशमन व्यवस्था सही नहीं पाई गई, फायर एनओसी नहीं पाई गई है। मात्र 188 संस्थानों के पास ही फायर एनओसी पाई गई तथा 178 संस्थानों को मौके पर ही नोटिस जारी किया गया।

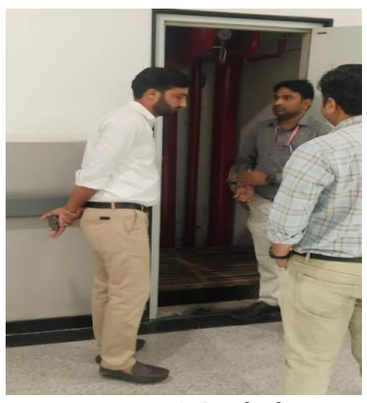

आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि आगामी दीपोत्सव के अवसर पर किसी भी प्रकार की अनहोनी ना हो इसके लिये अग्निशमन शाखा की टीमों द्वारा अग्निसुरक्षा की दृष्टि से सर्वे किया गया जिसमें सर्वे के दौरान 400 संस्थानों में से 188 संस्थान के पास फायर एनओसी पाई गई 178 संस्थानों को मौके पर ही नोटिस जारी किये गये है।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

-30 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 07 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में लालकोठी सब्जीमण्डी सहकार मार्ग, जेकेजे टोंक रोड़ पर, महाराणा प्रताप मार्केट, गिरधारीपुरा कच्चीबस्ती धावास, ए ब्लॉक वैशाली नगर, जेडीए मार्केट एफ ब्लॉक वैशाली नगर, अशोक वाटिका आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 30 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 07 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में लालकोठी सब्जीमण्डी सहकार मार्ग, जेकेजे टोंक रोड़ पर, महाराणा प्रताप मार्केट, गिरधारीपुरा कच्चीबस्ती धावास, ए ब्लॉक वैशाली नगर, जेडीए मार्केट एफ ब्लॉक वैशाली नगर, अशोक वाटिका आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 30 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

क्षेत्र की सड़कों को मिली बड़ी राहत, 248.90 लाख की स्वीकृति जारी

-वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थाई मरम्मत के लिए मिली प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय विधायक मनीष यादव के प्रयासों से क्षेत्र की 7 सड़को के लिये 248.90 लाख की राशि जारी। क्षेत्र में लगातार वर्षा के चलते कई सड़को पर कटाव लगने से स्थायी गड्ढे बन गये थे जिनके विधायक यादव के निर्देश पर PWD विभाग द्वारा प्रस्ताव भिजवाए गए थे, जिनकी स्थायी मरम्मत हेतु विभाग द्वारा 248.90 लाख की प्रशासनिक एवम् वित्तीय स्वीकृति जारी की गई हैं। NH8 से खोजावाला के लिए 20 लाख, ए/आर नायन के लिए 15.4 लाख, मनोहरपुर से इटावाभोपजी के लिए 100 लाख, बिशनगढ़ से SH13 वाया देवीपुरा के लिए 26 लाख, करीरी से वेधावली के लिए 12.45 लाख, देवन से तिगरिया के लिए 60 लाख, नवलपुरा से परमानंद जी महाराज के लिए 15 लाख की स्वीकृति जारी हुई है। गोरतलब है कि इन सड़कों का मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद आमजन को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी भी मज़बूत होगी। विधायक यादव ने कहा कि शीघ्र ही इन सड्को के लिये टेंडर प्रक्रिया करवाकर निर्माण कार्य करवाया जाएगा।

समाज सहयोग संस्था, जपपुर द्वारा चतुर्थ छात्रवृति वितरण एवं स्मारिका विमोचन समारोह सम्पन्न

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के सीकर रोड स्थित रामेश्वर मैरिज गार्डन में रविवार को समाज सहयोगी संस्था, जयपुर के तत्वावधान मे चतुर्थ निर्धन मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृति वितरण एवं स्मारिका विमोचन समारोह आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता कर रहे राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष व सेवानिवृत आईएएस डॉ. बी.एल. जाटावत ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति जागृत किया एवं उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ाने के लिए हमेशा जिज्ञासा होना अति आवश्यक है। संस्था सलाहकार सदस्य सेवानिवृत एडीएम कालूराम बुनकर ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सलाहकार सदस्य सेवानिवृत आईपीएस गुरु चरण राय, कॉलेज प्राचार्य डॉ. एन.के. बावलिया, सेवानिवृत बीएसएनएल के मुख्य पर्यवेक्षक रामकिशोर राय, सेवानिवृत्त कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक यशपाल महावत, सेवानिवृत प्राचार्य डॉ. बी.डी. नैनावत, एससी-एसटी कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष अशोक सामरिया आदि ने अपने-अपने उद्बोधनों से विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

समारोह में कक्षा 10वीं के 17, कक्षा 12वीं के 22 तथा नीट परीक्षा से मेडिकल में प्रवेश पाने वाले 6 विद्यार्थियों सहित कुल 45 छात्र-छात्राओं को 365000 रुपए नकद धन राशि वितरण की गई। छात्र-छात्राओं को छात्रवृति के साथ ही

प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही बलाई समाज के अन्य संगठनों के अध्यक्ष एवं वर्ष 2025 के सभी भामाशाहों का माला पहनाकर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवनी पर आधारित एक पुस्तक एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। संस्था के महासचिव एडवोकेट गिरधारी लाल चौहान ने बताया कि संस्था पिछले 5 वर्षों से समाजोपयोगी कार्य कर रही है। आर्थिक उत्थान के साथ ही संस्था के क्रिया-कलापों का दस्तावेजीकरण करने हेतु एक स्मारिका प्रकाशित की गई है। संस्था के अध्यक्ष भंवरलाल बुनकर ने बताया की संस्था की कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला पार्षद एडवोकेट वीना वर्मा धर्मपत्नी अधिशासी अभियंता गोपीचन्द वर्मा द्वारा सभी को संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवनी पर आधारित एक पुस्तक भेंट की। स्मारिका, संबल-25 का विमोचन भी समारोह में अध्यक्ष और संस्था के संस्थापक सदस्यों द्वारा किया एवं सभी आगंतुकों को स्मारिका निःशुल्क वितरण की गई। इससे पूर्व संस्था के अध्यक्ष भंवरलाल बुनकर, महासचिव एडवोकेट गिरधारी लाल चौहान, कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद बुनकर एवं समस्त पदाधिकारियों ने पधारे हुए अतिथियों का माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अन्त में संस्था के महासचिव एडवोकेट गिरधारी लाल चौहान ने पधारे हुए सभी अतिथियों, समाज बंधुओं, विद्यार्थियों एवं प्रेस मीडिया का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

पीठासीन व मतदान अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण प्रारंभ

-जिला निर्वाचन अधिकारी तोमर ने किया व्यवस्थाओं का अवलोकन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा उपचुनाव के तहत मतदान दलों में नियुक्त पीठासीन व प्रथम मतदान अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण मंगलवार को प्रारंभ हुआ। जिसमें करीब सात सौ अधिकारियों ने मतदान की प्रक्रिया का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बटावदी स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण में जिला निर्वाचन अधिकारी व कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने प्रशिक्षण को लेकर की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

तोमर ने मतदान दल अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। जिसे पूरी निष्ठा से निभाते हुए शांतिपूर्ण चुनाव में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। पिछले चुनाव में भी सभी ने बेहतर कार्य करते हुए श्रेष्ठता का परिचय दिया है। इस चुनाव में भी इसी परम्परा को कायम रखते हुए चुनौती के साथ इस कार्य को पूर्ण करें। उन्होंने मतदान दलों में नियुक्त

अधिकारियों को पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करने व मतदान दिवस पर सजगता व पूरी सावधानी से मतदान कार्य पूर्ण करने को कहा। उन्होंने प्रशिक्षण में उपलब्ध कराए गए भोजन की गुणवत्ता को भी परखा। प्रशिक्षण में मतदान दल के अधिकारियों को मोक पोल, प्रपत्र संधारण सहित ईवीएम व वीवीपैट की कार्यप्रणाली के बारे में समझाया गया। कुल 14 कक्षों में सैद्धान्तिक व प्रायोगिक प्रशिक्षण के पश्चात सभी अधिकारियों का ऑनलाइन टेस्ट भी लिया गया। इस दौरान प्रशिक्षण प्रभारी व सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, एसीईओ हरीशचन्द्र मीणा भी मौजूद रहे। मास्टर ट्रेनर सुनील शर्मा, धर्मेन्द्र मेघवाल के नेतृत्व में दक्ष प्रशिक्षकों ने पीठासीन व मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण में 342 पीठासीन व 342 प्रथम मतदान अधिकारियों ने भाग लिया।

खून कि कमी से बचाएगी आयरन की खुराक

-शक्ति दिवस का आयोजन कर गर्भवतियों, बच्चों को किया लाभान्वित

सवाई माधेपुर (रॉयल पत्रिका)। एनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के तहत बच्चों, किशोर-

किशोरियों, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनीमिया की दर कम करने के लिए प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों, आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों पर शक्ति दिवस का आयोजन किया गया। जिले के सभी जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, हैल्थ वेलनेस सेंटर पर नियमित ओपीडी के अलावा मरीजों के हिमोग्लोबीन की जांच और उपचार किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि सभी महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों को शक्ति दिवस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि शक्ति दिवस का मुख्य उद्देश्य समुदाय व लाभार्थियों में अनीमिया नियंत्रण के लिए स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबीन की जांच, उपचार तथा एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आयरन स्वास्थ्य के लिए किस प्रकार आवश्यक है और इसकी कमी होने से किस प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। कार्यक्रम में महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों का हीमोग्लोबिन जांच कर आयरन की दवाएं दी गई।

जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा सत्रों का निरीक्षण किया, दवाओं की उपलब्धता की जांच, सभी आयुवर्गों की उपस्थिति की जांच की। चिकित्सा संस्थानों पर एएनएम द्वारा समस्त लक्षित लाभार्थियों की एनीमिया की स्क्रीनिंग की गई, महिलाओं एवम् बच्चों को थकान, भूख ना लगना, नाखूनों का सफेद होना, जीभ पर सफेद परत का होना जैसे कुछ सामान्य लक्षणों के आधार पर तथा एनीमिक पाए गए लोगों को दवा वितरित की गई। साथ ही एनीमिक पाई गई महिलाओं, बच्चों का उपचार कराने के लिए लगातार फॉलोअप किया जाएगा। साथ ही सभी को भोजन की अच्छी आदतों को अपनाने, पोषक तत्वों युक्त भोजन करने, हरी सब्जियों, फलों, आयरन युक्त खाघ पदार्थों का सेवन करने की संबंधी जानकारी दी गई।

मेडिकल कॉलेज निर्माण कार्यों की प्रगति पर जिला कलक्टर ने की समीक्षा

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय मेडिकल कॉलेज, सवाई माधोपुर में निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक मंगलवार को जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में मेडिकल कॉलेज में आयोजित की गई।

बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान मुख्य बिल्डिंग, बॉयज़ एवं गर्ल्स हॉस्टल, जलापूर्ति, इंटरनेट, बिजली और स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स, लाईब्रेरी, लेबोरेट्री कार्य की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने आरएसआरडीसी अधिकारियों को निर्देश दिए कि बॉयज़ हॉस्टल के मुख्य कार्य 15 दिसंबर तक पूर्ण किए जाएं, साथ ही दिवाली बाद फ्लोरिंग कार्य प्रारंभ कर एक माह में पूरा किया जाए। उन्होंने विद्युत विभाग को मेडिकल कॉलेज के लिए सेपरेट फीडर व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित करने तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) को कॉलेज परिसर में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलक्टर ने ड्रेनिज सिस्टम की समस्याओं की समीक्षा करते

हुए संबंधित अधिकारियों को वैकल्पिक समाधान अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कॉलेज भवनों के निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एसडीएम सवाई माधोपुर की अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति द्वारा नियमित निरीक्षण एवं थर्ड पार्टी गुणवत्ता जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज सवाई माधोपुर जिले के लिए चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देगा। संबंधित विभाग समन्वयपूर्वक कार्य करते हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान दें। बैठक में प्राचार्य डॉ. पंकज कुमार गुप्ता, अधिशाषी अभियंता विद्युत विभाग अशोक कुमार बुजैठिया, नोडल अधिकारी डॉ. महेश मीणा, परियोजना निदेशक आरएसआरडीसी आर.के. दीक्षित, संयुक्त निदेशक सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग पंकज मीणा, एईएन पीएचईडी बच्चन सिंह मीणा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वाहन रैली निकाल कर किया मतदान के प्रति जागरूक

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में 11 नवंबर को अंता विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान के उद्देश्य से विधानसभा क्षेत्र में उपखंड मुख्यालय पर मतदाता जागरूकता दुपहिया वाहन रैली का आयोजन किया गया। मांगरोल में भी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एसडीओ सौरभ भाम्बू ने सीसवाली तिराहे से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली से पहले सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने मतदाताओं को निर्वाचन विभाग के ऑनलाइन एप्लीकेशंस की जानकारी दी। साथ ही केवाईसी ऐप के माध्यम से अपने क्षेत्र से चुनाव में प्रत्याशियों की जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया बताई एवं सी विजिल ऐप द्वारा राजनीतिक कदाचार की गतिविधियों की शिकायत ऑनलाइन कर 100 मिनट के अंदर समाधान प्राप्त करने की जानकारी दी। रैली में बाइकर लोकतंत्र का कहना है वोट सभी

को देना है जैसे जागरूकता के नारे लगाते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई बमोरी तिराहा पर पहुंची, जहां मतदाताओं को मतदान की शपथ दिलाने के साथ रैली का विसर्जन किया गया, वहीं अंता में एसडीएम हवाई सिंह यादव ने वाहन रैली के माध्यम से शहर के मतदाताओं से 11 नवंबर को शत् प्रतिशत मतदान करने की अपील की। सीसवाली में सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प कराते हुए नगर पालिका से रैली को रवाना किया। इस दौरान विकास अधिकारी सुरेश गोदारा, राधेश्याम भील, ईओ नगरपालिका भावेश रजक, दीपक नागर, तहसीलदार मंजूर अली दीवान, एएओ महेश छंदक, बीसीएमओ कन्हैयालाल मीणा, पीएमओ शोभागमल मीणा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बृजमोहन वर्मा, सुमित चौधरी, स्वीप टीम से रामचरण मीणा, सत्यनारायण चौरसिया व राजेन्द्र गोचर, ओम मेरोठा, सुरभि खंडेलवाल एवं गणमान्य जन मौजूद रहे।

आइस्टार्ट आइडियाथॉन 2025 का आयोजन

-पाली डिवीजन फिनाले में युवाओं के नवाचार को मिला मंच

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग तथा आईस्टार्ट राजस्थान की पहल पर पाली डिवीजन फिनाले आइस्टार्ट आइडियाथॉन 2025 का आयोजन मंगलवार को जिला परिषद सभागार पाली में जिला कलक्टर एलएन मंत्री के सानिध्य में किया गया। आइडियाथॉन 2025 का संचालन राजस्थान नॉलेज कॉपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला कलक्टर मंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि सपने केवल देखने से पूरे नहीं होते उन्हें साकार करने के लिए जी जान से मेहनत करनी होती है। उन्होंने कहा कि आज का समय आइडिया का युग है, जहाँ हर समस्या अपने साथ समाधान भी लेकर आती है उन्होंने युवा सोच, नवाचार और प्रयास पर बल दिया। उन्होने कहा की 'बच्चे न्तइंदब्संच की तरह च्ंसपब्संच जैसी स्थानीय पहले सोचे साथ ही कहा कि यह समय समस्याओं को पहचानकर उनके समाधान करने का है, जब तक विचार व्यवहार में नहीं उतरता, तब तक उसका प्रभाव अधूरा रहता है। उन्होंने ज्ीम ।सबीमउपेज पुस्तक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अथक परिश्रम ही प्रभावशाली सृजन की कुंजी है मेहनत और नवाचार मिलकर ही एक सशक्त समाज और विकसित भारत की नींव रख सकते हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम में रिकलोनेशन एडटेक प्रा. लि. के फाउंडर एवं सीईओ राघव शर्मा ने स्वागत भाषण में बताया गया कि राजस्थान सरकार द्वारा आइस्टार्ट आइडियाथॉन 2025 जैसे आयोजन नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त करने और युवाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए एक सशक कदम है। इस अवसर पर आरकेसीएल के समन्वयक पंकज कुमार, तथा प्रोग्रामर प्रवीण भाटी द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया। पाली डिवीजन में आयोजित इरा फिनाले में 96 टीगों ने अपने आइडिया राबगिट किए, जिनमें रो चयनित 26 उत्कृष्ट टीमों ने मंच पर अपने नवाचार प्रस्तुत किए। छात्रों ने स्वच्छता, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटलीकरण, कृषि एवं ग्रामीण नवाचार जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। निर्णायक मंडल में प्रो. विनीता अरोडा, शिक्षाविद, विनय बंब, उद्योगपति, संदीप शर्मा, मेंटर दिनेश उज्जवल, फाउंडर गो गारबेज उपस्थित रहें व संचालन प्रो. आशा मूंदड़ा द्वारा किया गया।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश देवेंद्र दीक्षित ने उप कारागृह का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा डी.बी. सिविल रिट याचिका संख्या 2808/2012 के आदेश में पारित निर्देशों की अनुपालना में जिला एवं सेशन न्यायाधीश देवेंद्र दीक्षित द्वारा सोमवार को उप कारागृह गंगापुर सिटी का निरीक्षण किया गया।

दौराने निरीक्षण जेलर सुखवीर सिंह से बंदियो के लिए पृथक से रसोईघर, रोटी बनाने के लिए पर्याप्त व्यक्ति एवं बर्तन की उपलब्धता, बंदियों को कुक के रूप में प्रशिक्षण, वाटर फिल्टर यूनिट की सुविधा, टॉयलेट बाथरूम की साफ-सफाई एवं उनमें पानी की उचित सप्लाई, डॉक्टर की नियमित विजिट, एंबुलेंस की सुविधा, बंदियों के लिए समाचार पत्र-पत्रिकाओं, उपन्यास, योग एवं मेडिटेशन क्लासेज, बंदियों को कंप्यूटर एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण, बैरकों में बंदियों की क्षमता, बंदियों के परिजनों से मिलने के लिए अलग कक्ष की व्यवस्था, बंदियों के सामान रखने हेतु लॉकर की सुविधा, बंदियों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा, सीसीटीवी कैमरों और नेटवर्क जैमर की सुविधा, कारागृह में नए कर्मचारियों की भर्ती, जेल स्टाफ की परेशानियों की निवारण के लिए कमेटी, जेल मैनुअल के अनुसार बंदियों को नाश्ते, भोजन, पेयजल की उपलब्धता आदि के बारे में जानकारी ली गई। साथ ही बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना गया, बंदियों द्वारा उनको मिल रही सुविधाओं

के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं की गई। दौराने निरीक्षण जेलर सुखबीर सिंह ने सीवर लाइन जाम होने की समस्या से अवगत करवाया गया, उपकारागृह में वाटर कूलर उपलब्ध है किंतु फिल्टर नहीं होना पाया गया, डॉक्टर की नियमित विजिट होना पाया गया। खाद्य पदार्थों एवं भोजन की गुणवत्ता चेक करने पर संतोषजनक पाई गई । दौराने निरीक्षण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव समीक्षा गौतम, पैनल अधिवक्ता मीना शर्मा, डॉक्टर भरत गोयल, पीएलवी मुकेश कुमार गुर्जर उपस्थित रहे।

तम्बाकु उत्पादों के विज्ञापन, बोर्ड्स एवं स्टीकर हटवाने के लिए दुकानदारों को किया जागरूक

-अब नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्यवाही

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगामी 8 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले 60 दिवसीय "तम्बाकु मुक्त युवा अभियान 3.0" के अंतर्गत मंगलवार को पाली जिला मुख्यालय पर राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के अधिकारियों द्वारा तम्बाकू बेचने वाले दुकानदारों एवं होलसेल विक्रेताओं को तम्बाकू उत्पादों का विज्ञापन करने वाले बोर्ड्स एंव स्टीकर्स नहीं लगाने हेतु जागरूक कर उनकी समझाईस की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की कड़ी में तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श केन्द्र के सायकॉलोजिस्ट तथा ए.एन.एम. प्रशिक्षण केन्द्र के प्रधानाचार्य के सी सैनी ने टीम के साथ पूरे शहर का भ्रमण कर कार्यवाही को अंजाम दिया तथा पूरे शहर की तम्बाकू की दुकानों एवं सार्वजनिक स्थानों पर लगे हुये तम्बाकू के विज्ञापन वाले बोर्ड एंव स्टीकर्स को तुरन्त हटवाया तथा सभी दुकानदारों का परामर्श कर उनको इस बाबत पाबन्द किया तथा आगे से इस प्रकार कोटपा अधिनियम का उल्लंघन नहीं करने बाबत समझाया। सीएमएचओ डॉ. मारवाल से बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां जिले में अब नियमितरूप से आयोजित होगीं। कोटपा का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी कार्यवाही भी की जायेगी। उन्होंने जिले के समस्त तम्बाकू उत्पाद विक्रेताओं

का आह्वान किया है कि वे किसी भी तम्बाकू उत्पद का प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से विज्ञापन नहीं करें अन्यथा कोटपा अधिनियम में कार्यवाही होना तय है। उन्होंने जिले के चिकित्सा विभाग के समस्त अधिकारियों को भी अपने अपने कार्यक्षेत्रों में इस प्रकार की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया है।

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के पोस्टर का हुआ विमोचन:-

उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वेदान्त गर्ग ने बताया कि सेमवार को जिला कलक्टर एल.एन. मंत्री की अध्यक्षता में उनके कक्ष में आयोजित विभिन्न अधिकारियों की उपस्थिती में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित किये जा रहे " तम्बाकु मुक्त युवा अभियान 3.0" के पाली जिले के पोस्टर का विमोचन किया गया । इस अवसर पर प्रशिक्षु आई.ए.एस. बिरजु गोपाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. बजरंग सिंह, डॉ. वेदान्त गर्ग, के.सी. सैनी, रेवन्त राम सहित कई लेग उपस्थित रहे।

कोटपा अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अब होगी चालानी कार्यवाही:-

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के साइकोलोजिस्ट तथा एएनएम प्रशिक्षण केंद्र के प्रिंसिपल के. सी. सैनी ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वालों तथ पीक थूकने वालों के खिलाफ एवं कोटपा के उल्लंघनकर्ता दुकानदारों के खिलाफ बुधवार से चालानी कार्यवाही शुरू की जायेगी तथा उनसे जुर्माना उभी वसूला जायेग। शिक्षण संस्थानों से 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पद बेचने वालों पर भी चालानी कार्यवाही होगी। हुक्का बार एवं ई-सिगरेट वालों पर भी कार्यवाही की जायेगी।

खाद्य सुरक्षा टीम ने गंगापुरसिटी में बड़ी कार्यवाही को दिया अंजाम

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा सोमवार को गंगापुरसिटी में बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया गया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉक्टर टी शुभमंगला के निर्देश पर दीपावली के मध्यनजर प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार विशेष अभियान के तहत सीएमएचओ सवाई माधोपुर डॉ. अनिल कुमार जैमिनी के नेतृत्व में फूड सेफ्टी ऑफिसर वेद प्रकाश पूर्विया व नितेश गौतम की टीम ने गंगापुर सिटी स्थित कई खाद्य प्रतिष्ठानों पर बड़ी कारवाही की। टीम प्राइवेट बस स्टैंड स्थित मनोज हलवाई की निर्माता फर्म पर पहुंची जहां निरीक्षण के दौरान भयंकर लापरवाही देखने को मिली। संस्थान में जगह जगह जाले लगे हुए थे व फर्श व दीवारों पर काफ़ी गंदगी व काली पपड़ी जमी हुई थी तथा खुले में ही कड़ाई व भगोने जिनमे खीरमोहन निकाले जा रहे थे उसकी चासनी में धूल मिट्टी जमी हुई थी। पूरी हाइजीनिक कंडीशन बहुत बुरी स्थिति में थी। इसके अलावा ना तो पानी की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की और ना ही कर्मचारियों का मेडिकल सर्टिफिकेट। खाद्य अनुज्ञा पत्र भी रजिस्ट्रेशन श्रेणी का था और डिस्प्ले नहीं किया हुआ था। उसे उक्त गंभीर लापरवाही के लिए खाद्य सुरक्षा एवम मानक अधिनियम की धारा-32 के अंतर्गत नोटिस थमाया। कमियों को तुरंत दुरुस्त करने के लिए पाबंद किया व 120 किलो चासनी व 30 किलो सड़ी-गली सोहन पापड़ी मौके पर ही नष्ट करवाई तथा खीरमोहन का नमूना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत लिया

गया। इसके बाद टीम ने वजीरपुर की बनवारी किराना स्टोर व रामकेश सैनी किराना स्टोर से 4 नमुने घी (प्योर इट), मस्टर्ड ऑयल (पवन), रिफाइंड पाम ऑयल,चाय के नमूने लिए। टीम इसके बाद कृष्णा चिलिंग सेंटर (केशव खीरमोहन) वजीरपुर पहुँची और बन रहे खीरमोहन व लूज़ घी के नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत लिए। अभियान की कार्यवाही दीवाली तक निरंतर जारी है। सभी नमूनों को खाद्य प्रयोगशाला जयपुर भिजवाया गया। लैब रिपोर्ट प्राप्त होने पर तदनुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम एवं विनियम 2011 के अनुसार सख्त अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने राज्य कर्मचारियों को दिया दीपावली उपहार

जयपुर/सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। दीपावली के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा राज्य कर्मचारियों को दीपावली के उपहार के रूप में तदर्थ बोनस देने के लिए वित्त मंत्री दिया कुमारी के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया गया है, जिससे राज्य सरकार के लगभग 6 लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

राज्य सेवा के अधिकारियों को छोड़कर, राज्य कर्मचारियों को, जो राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2017 के पे मेट्रिक्स के पे लेवल एल-12 अथवा ग्रेड-पे 4 हजार 800 रूपये और उससे कम में वेतन आहरित कर रहे हैं, उन्हें वर्ष 2024-25 के लिये तदर्थ बोनस स्वीकार किया गया है। तदर्थ बोनस की गणना अधिकतम परिलब्धियां 7 हजार रूपये तथा 31 दिन के माह के आधार पर की जाएगी। तदर्थ बोनस 30 दिन की अवधि के लिए देय होगा। तदनुसार प्रत्येक कर्मचारी को अधिकतम 6 हजार 774 रूपये तदर्थ बोनस देय होगा जिसमें से 75 प्रतिशत राशि नकद तथा 25 प्रतिशत राशि कर्मचारी के सामान्य प्रावधायी निधि खाते में जमा की जायेगी। तदर्थ बोनस पंचायत समिति एवं जिला परिषद कर्मचारियों को भी देय होगा। तदर्थ बोनस का अतिरिक्त वित्तीय भार लगभग 406 करोड़ रूपये होगा।

'उद्यमिता प्रवाह' छात्राओं द्वारा व्यावसायिक कौशल एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय महाविद्यालय हिन्दमलकोट में 'उद्यमिता प्रवाह' के अंतर्गत छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न आकर्षक स्टॉल लगाकर अपने व्यावसायिक कौशल एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता एवं उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। छात्रा साक्षी द्वारा लगाई गई 'खीर स्टॉल' ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और स्वाद एवं प्रस्तुति के लिए सर्वाधिक सराहना प्राप्त की। वहीं किरणजोत की 'मंचूरियन स्टॉल' पर छात्रों की सबसे अधिक भीड़ देखी गई। परीक्षा उपरांत विद्यार्थियों ने रोहित एवं करणवीर द्वारा संचालित 'चाय स्टॉल' पर पहुंचकर स्वाद का आनंद लिया। इस अवसर पर राजकीय

महाविद्यालय श्रीगंगानगर के प्राध्यापक प्रो. राजेन्द्र टाक एवं प्रो. अमित पैंसिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्साह एवं प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को न केवल आत्मनिर्भर बनाते हैं बल्कि उनमें व्यवसायिक दृष्टिकोण और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं। इसी क्रम में 'सलाद सजावट प्रतियोगिता' का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रा स्नेहा मेहरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्य ने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ जीवन-प्रबंधन एवं आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित करता है।

कन्ज्यूमर केयर अभियान 11 प्रतिष्ठानों पर 36 हजार रूपये का लगा जुर्माना

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। कन्ज्यूमर केयर अभियान के अन्तर्गत सोमवार को 11 प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही कर 36 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया। जिला रसद अधिकारी नीरज कुमार जैन ने बताया कि दिपावली के त्यौहार पर मिठाई, सूखे मेवे, बेकरी उत्पाद इत्यादि के साथ डिब्बा तौलने, कम माप-तौल एवं पैकेजिंग नियमों में तय मापदंडों के अनुसार बिक्री नहीं करने इत्यादि की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा सोमवार को अजमेर में जांच दलों द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किए गए। प्रथम निरीक्षण दल में भावना दयाल सहायक नियंत्रक विधिक माप विज्ञान प्रकोष्ठ उपभोक्ता मामले विभाग, अतुल कुमार बड़ाया प्रवर्तन निरीक्षक शामिल रहे। द्वितीय निरीक्षण दल में सुनीता शर्मा प्रवर्तन अधिकारी, जितेन्द्र सचदेवा निरीक्षक विधिक

माप विज्ञान प्रकोष्ठ उपभोक्ता मामले विभाग, महेन्द्र कुमार यादव प्रवर्तन निरीक्षक शामिल रहे। उन्होंने बताया कि कन्ज्यूमर केयर अभियान के जांच दल द्वारा 11 प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण किया गया। इनमें अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार 36 हजार रूपये जुर्माना राशि आरोपित की गई। इनमें द्वारका प्रसाद हलवाई पर 2500 रूपये, अशोक स्वीट्स पर 4500 रूपये, कमलेश स्वीट्स पर एक हजार रूपये, ममता स्वीट्स एण्ड बैंकर्स पर 2500 रूपये, राघव स्वीट्स पर 2 हजार रूपये, राजा बैकर्स पर 15 हजार रूपये, मॉर्डन प्रोविजन स्टोर पर 500 रूपये, वंदना स्टोर पर 2 हजार रूपये, रामकृष्ण स्टोर पर 4 हजार रूपये तथा कमल प्रोविजन स्टोर पर 2 हजार रूपये का जुर्माना आरोपित किया गया। इसी प्रकार राम प्रकाश स्टोर को नोटिस जारी किया गया।

विश्व मानक दिवस-2025 कार्यालयों में दिलाई गुणवत्ता शपथ

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। भारत मानक ब्यूरो उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रलय के निर्देशानुसार विश्व मानक दिवस-2025 के उपलक्ष्य में जिले के कार्यालयों में गुणवत्ता शपथ दिलाई गई। अतिरिक्त जिला कलक्टर गजेन्द्र सिंह राठौड़ के द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में गुणवत्ता शपथ दिलाई गई। इसमें परिसर स्थित समस्त प्रभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शपथ ली। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर ज्योति ककवानी एवं वन्दना खोरवाल उपस्थित रहे।

किसानों को करें योजनाओं से लाभान्वित- अतिरिक्त जिला कलक्टर

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। कृषि एंव उद्यानिकी विभाग की समीक्षा विभिन्न कमेटियों के माध्यम से करने के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर वन्दना खोरवाल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला स्तरीय कृषि समिति, फ्लैगशिप योजनाओं राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की जिला स्तरीय निगरानी समिति, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जिला स्तरीय शिकायत निवारण समिति, बजट घोषणाओं, जिला स्तरीय तिलहन मिशन की जिला क्रियान्वयन समिति, राष्ट्रीय बागवानी मिशन की जिला स्तरीय समिति तथा आत्मा शाषी परिषद के कार्यों की समीक्षा की गई। अतिरिक्त जिला कलक्टर वन्दना खोरवाल ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। इसका लाभ प्रत्येक पात्र काश्तकर तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। आगामी रबी की फसलों के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध रहे। डीएपी पर किसानों की निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक उर्वरकों के बारे में जागरूकता पैदा करने की

आवश्यकता है। इसके लिए सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) तथा एनपीके की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। किसानों को बुवाई के रकबे के अनुपात में वैकल्पिक उर्वरक प्रदान किया जाए। इसकी कृषि पर्यवेक्षक मॉनिटरिंग करेंगे। उन्होंने कहा कि फार्म पोण्ड, तारबन्दी, पाईप लाईन, कृषि यंत्र अनुदान, मिनी किट, फसल प्रदर्शन, सॉयल हैल्थ कार्ड, ग्रीन हाउस, शेडनेट हाउस, प्लास्टिक मल्च, लॉ टनल, प्याज भण्डारण, सामुदायिक जल स्त्रोत, फल बगीचा स्थापना, ड्रिप एवं मिनी फव्वारा, प्रधानमंत्री कुसुम कम्पोनेट बी के अन्तर्गत सौलर पम्प स्थापना तथा आत्मा के अन्तर्गत संचालित गतिविधियों की प्रगति बढ़ाई जाए। निर्धारित लक्ष्यों से अधिक कार्य कर किसानों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के माध्यम से किसनों को रसायन मुक्त काश्तकारी के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए कृषि सखिओं को प्रशिक्षित किया जाए। सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए ब्लॉक स्तरीय निगरानी समिति का गठन किया जाना आवश्यक है। इसकी अध्यक्षता ब्लॉक विकास अधिकारी द्वारा की जाएगी। मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार होने से कृषि की लागत में कमी होगी।

जिला कलक्टर ने किया शहर का आकस्मिक निरीक्षण

-अधिकारियों के साथ सड़कों की मरम्मत, सफाई व्यवस्था का अवलोकन किया

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने सोमवार को शहर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कलक्टर ने अधिकारियों के साथ क्षेत्र में बरसात से प्रभावित सड़कों की मरम्मत, साफ-सफाई, वर्षा जल निकासी व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। साथ ही बाजार क्षेत्र में प्रस्तावित पार्किंग एरिया और हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण एवं सौन्दर्यकरण के लिये भी संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जिला कलक्टर ने सबसे पहले बाजार क्षेत्र में प्रस्तावित पार्किंग एरिया का अवलोकन करते हुए पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द उक्त कार्य पूर्ण किया जाये। पार्किंग एरिया विकसित होने के पश्चात बाजार में आने वाले नागरिकों को वाहनों की पार्किंग सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी और नगर विकास न्यास समन्वय से आमजन की सुविधा के मद्देनजर पार्किंग एरिया विकसित करें। यहां उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था को भी देखा और नगर परिषद अधिकारियों से सफाई बाबत जानकारी लेते हुए

नियमित सफाई करवाने के निर्देश दिये। इसके पश्चात जिला कलक्टर ने कोतवाली रोड़, गोलबाजार क्षेत्र, राधेश्याम कोठी रोड़, सुखाड़िया सर्किल, मीरा मार्ग, सिहाग हॉस्पिटल मार्ग, हनुमानगढ़ रोड़, नगर विकास न्यास रोड़, सूरतगढ़ रोड़, जस्सासिंह मार्ग, बसंती चौक, पदमपुर रोड़, उद्यम सिंह चौक, बस स्टैण्ड, पुरानी आबादी सहित विभिन्न स्थानों का निरीक्षण करते हुए बरसात से प्रभावित सड़कों की मरम्मत का कार्य देखा। इस दौरान उन्होंने त्योहार के मद्देनजर साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट, पौधारोपण और लाइटिंग को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। नगर विकास न्यास और नगर परिषद अधिकारियों को सफाई व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि समुचित कचरा निस्तारण के साथ-साथ क्षेत्र में बेसहारा पशुओं को गौशाला में रखवाया जाये। विभिन्न स्थानों का अवलोकन करते हुए जिला कलक्टर ने साफ-सफाई, पौधारोपण और सौन्दर्यकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। नगर विकास न्यास सहित अन्य क्षेत्रों में अतिक्रमणों को हटाने और पार्किंग व्यवस्था सुचारू करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि नाले-नालियों की नियमित सफाई करवाई जाये। साथ ही समुचित कचरा निस्तारण की व्यवस्था भी अमल में लाई जाये। हरियालो राजस्थान अभियान के तहत क्षेत्र में अधिकाधिक पौधारोपण करने के लिये संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि रोपे गये पौधों की सार-संभाल भी सुनिश्चित करें। इस कार्य में आमजन सहित विभिन्न संस्थाओं का सहयोग लिया जाये।

सहकार सदस्यता अभियान- 2025 शिविर आयोजित

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा 2 से 15 अक्टूबर तक सहकार सदस्यता अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान के अन्तर्गत क्रय विक्रय सहकारी समिति परिसर में भाजपा जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह के मुख्य आथित्य व संयोजक जिला सहकार सदस्यता अभियान पी.सी बोहरा के विशेष आथित्य में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पैक्स विहीन ग्राम पंचायतों में पैक्स गठन, गोदाम विहीन पैक्सों में भूमि चिन्हीकरण, नवीन सदस्यता, नवीन प्रस्तावित सहकारी कोड के बारे में आमजन को जानकारी देने व प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पात्र 519 कृषकों की केवाईसी व 811 कृषकों का आधार सीडिंग का कार्य किया गया है। शिविर में मुख्य अतिथि द्वारा ज्यादा से ज्यादा सहकारी समितियों के सदस्य बनाकर केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र सदस्यों को दिलाने का आह्वान किया गया। विशिष्ट अतिथि द्वारा सहकारी संस्थाओं को रोजगारोन्मुखी बनाने व सदस्यों के हितों की रक्षा करने के बारे में बताया। उप रजिस्ट्रार सहकारी समिति सतेन्द्र सिंह मीना ने बताया कि अभियान के अन्तर्गत कुल 101 ग्राम पंचायतों पर शिविर आयोजित कर सहकारी संस्थाओं में सदस्यता बढ़ाये जाने हेतु कुल 5184 आवेदन प्राप्त किये गये है। उन्होंने बताया कि शिविर में 100 नयें सदस्यों ने क्रय विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड व 50 सदस्यों ने उपभोक्ता भण्डार की सदस्यता ग्रहण की। शिविर में विशेष लेखा परीक्षक सहकारी समिति गगन पाण्डेय, वीरेन्द्र गुप्ता, रविन्द्र कुमार, निरीक्षक एवं सहकारिता विभाग के कार्मिकों सहित कृषक उपस्थित रहे।

फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति और जनशिकायतों के निस्तारण की हुई विभागवार समीक्षा

-जनसुनवाई प्रकरणों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण हो निस्तारण- जिला कलक्टर

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय विभागीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, जनशिकायतों और बजट घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने जनहित से जुड़े मुद्दों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल, सीपीग्राम्स तथा संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की और कहा कि जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारी इन प्रकरणों का शीघ्र, पारदर्शी और संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारियों द्वारा परिवादियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए तथा संतुष्टि प्रतिशत में सुधार लाने के प्रयास किए जाएं। लोक बन्धु ने कहा कि ई-फाइल, डाक, संपर्क पोर्टल तथा सीपीग्राम्स पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता से किया जाए। 30 दिवस से अधिक लंबित

मामलों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और इनकी नियमित समीक्षा ब्लॉक स्तर पर भी की जाए। मुख्यमंत्री कार्यालय और भारत सरकार से प्राप्त शिकायतों की निगरानी अधिकारी स्वयं करें। इससे समयबद्ध और प्रभावी समाधान हो सकेगा। बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि जिन कार्यों की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, उन्हें शीघ्र प्रारंभ किया जाए। साथ ही प्रारंभ किए गए कार्यों की अद्यतन जानकारी ऑनलाइन अपलोड की जाए। वहीं जिन कार्यों की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हुई है। उनके लिए विभागीय और जिला स्तर पर सक्रिय प्रयास जारी रखे जाएं। उन्होंने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित ग्रामीण एवं शहरी शिविरों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जहां ग्रामीण शिविर पूर्ण हो चुके हैं। वहां फॉलो अप शिविर आयोजित कर शेष प्रकरणों का निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं को संतृप्ति स्तर तक पूर्ण किया जाना चाहिए। शहरी शिविरों में भी अधिकारी सक्रिय रूप से उपस्थित रहें और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार डीएमएफटी में बजट घोषणाओं को प्राथमिकता से सम्मिलित किया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभाग अपने प्रस्ताव समयबद्ध रूप से भेजें।

फ्लैगशिप योजनाओं व सेवा शिविरों की समीक्षा बैठक हुई सम्पन्ने

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित राज्यक सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं व सेवा शिविरों की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्य क दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों से लेकर क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत तक के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसडीआरएफ नॉर्म्स के तहत होने वाले मरम्मत कार्यों की सूची शीघ्र तैयार करवाकर वित्तीदय स्वीकृति जारी करवाने की कार्यवाही शुरू करवाई जावें। बैठक में जिला कलक्टयर ने ग्रामीण व शहरी सेवा शिविरों की प्रगति पर असंतोष जताया। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा, "शिविरों में आमजन की समस्याओं का निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। नियोजित कर्मचारियों की शत-

प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें और पात्र लोगों को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाएं। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।" स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों की समीक्षा के दौरान जिला कलक्टर ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है और इस स्थिति के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने मिशन के तहत चल रहे कार्यों में तत्काल तेजी लाने के निर्देश दिए।

दीपावली से पहले दुरुस्त हों सड़कें और स्ट्रीट लाइटें-

जिला कलक्टर ने बरसात से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के पेचवर्क कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने और नगर परिषद क्षेत्र की सभी खराब स्ट्रीट लाइटों को दीपावली से पहले अनिवार्य रूप से ठीक करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में आमजन को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक: क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के साथ सुचारू करवाएं साफ-सफाई

-विभागीय अधिकारियों को जिला कलक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय की मंशा के अनुसार त्यौहार से पहले बरसात से प्रभावित सड़कों की मरम्मत के साथ साफ-सफाई व्यवस्था को सुचारू करवाया जाए। बैठक में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों में करवाए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि आमजन की समस्याओं का निराकरण करवाते हुए उन्हें जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण और स्वामित्व योजना सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र को देना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिविरों में जो काम हो सकते हैं, उन्हें तत्काल करवाया जाये। विश्वकर्मा पेंशन योजना में अधिकाधिक रजिस्ट्रेशन कर प्रगति बढ़ाने, ढीली तारों की मरम्मत करवाते हुए विधुत समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि शिविरों के माध्यम से अधिकारी विभागीय योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाएं। जिला स्तरीय जनसुनवाई और संपर्क पोर्टल प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने आमजन की परिवेदनाओं के समुचित निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि जनसुनवाई के साथ-साथ संपर्क पोर्टल पर आने वाले सभी प्रकरणों में संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा गंभीरतापूर्वक कार्यवाही कर परिवादी को राहत पहुंचाई जाये। समस्त प्रकरणों को समयबद्ध रूप से निस्तारित करते हुए परिवादियों को संतुष्टि और राहत मिल सकेए ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें। नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत होने वाली गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि जिले के समस्त शिक्षण संस्थानों में गुड टच, बेड टच के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया जाये। राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार दीपावली गिफ्ट हैम्पर के संबंध में निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि अधिकाधिक ऑर्डर विभागीय अधिकारियों द्वारा देने सुनिश्चित किये जाये। फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण किए जाएं। बैठक में जिला परिषद, उद्यान, स्वास्थ्य, नगर परिषद, पीडब्ल्यूडी, उद्योग, जलदाय विभाग, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कृषि विभाग सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

जिले में यहां आयोजित होंगे शहरी सेवा शिविर

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। जिले के शहरी क्षेत्रों के निवासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान तथा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा हैं।

शहरी सेवा शिविरों के तहत बूंदी नगर परिषद क्षेत्र में 14 अक्टूकबर को वार्ड संख्यार 38, 53, 54, 55 के लिए देवपुरा आश्रय स्थल, लाखेरी नगर पालिका क्षेत्र में 14 अक्टूबर को वार्ड संख्या 33 व 34 के लिए सभा भवन नगरपालिका, नगर पालिका कापरेन में वार्ड संख्या 23 के लिए कार्यालय नगरपालिका कापरेन में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त हिण्डोली नगर पालिका में 14 अक्टूबर को वार्ड संख्याा 6 से 10 के लिए नगरपालिका कार्यालय हिण्डोली में, नगर पालिका देई में वार्ड संख्या 6 से 10 के लिए नगरपालिका कार्यालय देई में फॉलोअप शिविर आयोजित होंगे।

राष्ट्रीय निगमों की विभिन्न योजनाओं में आवेदन आमंत्रित

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। परियोजना प्रबन्धक राजस्थान अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में संचालित राष्ट्रीय निगमो की विभिन्न ऋण योजनाओ में ऑनलाईन आवेदन 30 अक्टूबर तक आमत्रिंत किये जायेगें। परियोजना प्रबंधक अनुजा निगम देवेन्द्र सिंह जांगल ने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के 16, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 8, सभी वर्गो के विषेष योग्यजन वर्ग के 8, सफाई कर्मचारी, स्वच्छकार वर्ग 9 तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के 14 इच्छुक व्यक्तियो को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न व्यवसाय, उद्योग, सेवा क्षेत्र आदि हेतु किराना दुकान, सिलाई कार्य, भैस-गाय पालन, ब्यूटीपार्लर, कपड़ा दुकान, ऑटोमोबाईल रिपेयरिग, डेयरी, ई-रिक्षा, हस्तकला कार्य आदि के लिए अनुजा निगम पोर्टल पर ऑनलाईन ऋण आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। उन्होंने बताया कि आवेदक की आयु 18 से 60 वर्ष के मध्य हो तथा परिवार की वार्षिक आय 3 लाख रूपये से कम हो, को 4 से 8 प्रतिषत वार्षिक ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा आवेदक जिले का मूल निवासी होना चाहिए तथा आवेदक पर बैंक अथवा किसी भी वित्तीय संस्था का अवधि पार ऋण बकाया नही होना चाहिए। ऋण की वसूली 20 त्रेमासिक किस्तों में की जाएगी।

दे दे प्यार दे 2 की रिलीज डेट हुई फाइनल

रकुल प्रीत सिंह ने सोशल मीडिया पर की घोषणा

फिल्म दे दे प्यार दे ने साल 2019 में लोगों के दिलों में खास जगह बनाई थी। यह एक ऐसी कहानी थी जिसमें उम्र के फासले और प्यार की ताकत को खूबसूरती से दिखाया गया था। अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। वहीं तब्बू ने भी अपनी भूमिका से फिल्म में चार चांद लगाए। अब, इस लोकप्रिय फिल्म का दूसरा पार्ट, यानी दे दे प्यार दे 2, जल्दी ही बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाला है। इस फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा खुद रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया। रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास मोशन पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, प्यार का सीक्वल है क्रूशियल। क्या आशीष को मिलेगा आयशा के पेरेंट्स का अप्रूवल? दे दे प्यार दे 2 सिनेमाघरों में 14 नवंबर को रिलीज होगी। यह फिल्म दे दे प्यार दे का सीक्वल है और इसमें दिखाया जाएगा कि आशीष, जो कि अजय देवगन के किरदार का नाम है, कैसे आयशा के माता-पिता को अपने रिश्ते के लिए मनाने की कोशिश करता है। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने पर फैंस में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। लोग बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और जानने के लिए उत्साहित हैं कि इस बार फिल्म में कौन-कौन से नए चेहरे होंगे और कहानी में क्या नया ट्विस्ट देखने को मिलेगा। बता दें कि दे दे प्यार दे 2 में तब्बू नजर नहीं आएंगी, जिन्होंने पहली फिल्म में अहम किरदार निभाया था। हालांकि, फिल्म में कई नए कलाकार जुड़ गए हैं। आर माधवन, गौतमी कपूर, मीजान जाफरी, जावेद जाफरी, और इशिता दत्ता जैसे कलाकार इस बार फिल्म का हिस्सा हैं। खासतौर पर आर माधवन की एंट्री फैंस के लिए खुशी की बात है क्योंकि वह आयशा के पिता का रोल निभाते नजर आएंगे। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, लव रंजन और अंकुर गर्ग इस बार भी फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें लगाए हुए हैं। उन्होंने बताया है कि दे दे प्यार दे 2 को ऐसा बनाया गया है जो न केवल पहली फिल्म का मजा दुगना कर देगा बल्कि एक नए और आधुनिक तरीके से प्यार, रिश्तों और परिवार की जटिलताओं को दिखाएगा।

दुआ की मम्मी

दीपिका पादुकोण को मिला बड़ा सम्मान, बनीं देश की पहली मेंटल हेल्थ एम्बेसडर

दीपिका पादुकोण एक बार फिर सुर्खियों में हैं, इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि उन्हें भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से देश की पहली मेंटल हेल्थ एम्बेसडर बनाया गया है. बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वो सिर्फ रील लाइफ की ही नहीं, बल्कि रियल लाइफ की भी हीरोइन हैं. एक्ट्रेस को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से देश की पहली मेंटल हेल्थ एम्बेसडर बनाया गया है. यह उपलब्धि सिर्फ दीपिका के लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए बड़ी प्रेरणा है जो मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बात करने से डरते हैं.

मानसिक स्वास्थ्य के लिए दीपिका का बड़ा कदम

दीपिका ने सालों पहले डिप्रेशन से जूझने के अपने एक्सपीरियंस को खुले तौर पर साझा किया था. उस दर्द से गुजरने का दर्द वो समझती है, इसलिए उन्होंने The Live Love Laugh Foundation संस्था की शुरुआत की थी, जिसे अब 10 साल पूरे हो चुके है. जिसके बाद अब दीपिका भारत सरकार की बतौर मेंटल हेल्थ एम्बेसडर बन गईं हैं, जो मंत्रालय के साथ मिलकर पूरे देश में मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता फैलाएंगी. इसके तहत लोगों को मदद लेने के लिए इंस्पायर करना, Tele-MANAS जैसी गवर्मेंट सर्विसेस को बढ़ावा देना और मेंटल इलनेस जैसी गलतफहमियों को दूर करना शामिल है.

दीपिका पादुकोण ने कही दिल छू लेने वाली बात

दीपिका ने इस जिम्मेदारी को लेकर कहा, भारत सरकार के लिए पहली मानसिक स्वास्थ्य एम्बेसडर बनना गर्व की बात है, मुझे यह बहुत बड़ा सम्मान मिला है. देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मेंटल हेल्थ को प्रयोरिटी दी जा रही है, और मैं इस बदलाव का हिस्सा बनकर बेहद खुश महसूस कर रही हूं.

पत्नी की उपलब्धि पर पति रणवीर सिंह का रिएक्शन

दीपिका पादुकोण को मिले इस सम्मान से गद-गद नजर आए पति रणवीर सिंह उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए, लिखा- तुम पर गर्व है.

प्रोड्यूसर बनकर ओटीटी डेब्यू करेंगे ऋतिक

प्राइम वीडियो के साथ मिलकर बनाएंगे स्ट्रॉम

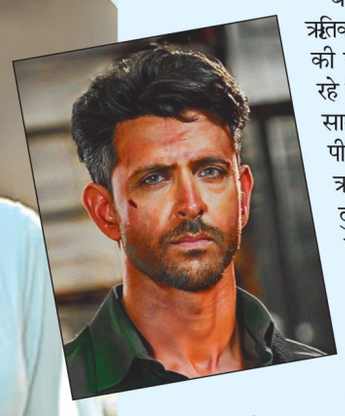

बॉलीवुड के हैंडसम स्टार ऋतिक रोशन अब अपने करियर की नई राह पर कदम रखने जा रहे हैं। इस बार वो कैमरे के सामने नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे नजर आएंगे। जी हां, ऋतिक रोशन अब ओटीटी की दुनिया में बतौर निर्माता अपनी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। प्राइम वीडियो के साथ मिलकर वो एक रोमांचक एक्शन-थ्रिलर वेब सीरीज 'स्टॉर्म' लेकर आ रहे हैं, जिसमें दमदार महिला किरदार और दिलचस्प कहानी दर्शकों को बांधे रखने वाली है।

अपने ही घर में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहीं संगीता बिजलानी

65 साल की हसीना और कभी सलमान खान संग रिश्ते को लेकर फेमस होने वाली अदाकारा संगीता बिजलानी भले ही पर्दे से दूर हैं, लेकिन अपनी ग्लैमरस अदाओं से सुर्खियों बटोरती रहती हैं। संगीता बिजलानी को भी खान परिवार के हर फंक्शन में देखा जाता है, लेकिन अब एक्ट्रेस के अपने फार्महाउस पर हुई चोरी पर खुलकर बात है। उन्होंने बताया कि वो बहुत अनसेफ महसूस कर रही हैं। अभिनेत्री संगीता बिजलानी को शनिवार को पुणे में एक पुरस्कार समारोह में देखा गया, जहां उन्होंने महिला सुरक्षा, बढ़ती चोरी की वारदात और क्या सेफ्टी फीचर्स होने चाहिए जैसे मुद्दों को लेकर अपनी राय रखी।

संगीता बिजलानी ने उनके फार्महाउस पर हुई चोरी पर बात करते हुए कहा, मैंने पुणे के एसपी संदीप सिंह गिल से मुलाकात की है। मैं उनसे मिलने ख़ास तौर पर पुणे आई थी ताकि उनसे मिलकर जल्दी से जांच का अनुरोध कर सकूं, क्योंकि मेरे घर पर चोरी हुई है। एक महिला होने के नाते मैं अपने ही घर में अनसेफ महसूस कर रही हूं। वहां मैं 20 साल से रह रही हूं, वो मेरा घर है। ऐसा पहली बार हुआ है जब मैं असुरक्षित महसूस कर रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, ये सब सिर्फ मेरे नहीं बल्कि पावना के सभी लोगों के लिए है। वहां के सभी लोग अपने बच्चों और माता-पिता के साथ रहते हैं, ऐसे में उस जगह का सुरक्षित होना बहुत जरूरी है। सेफ्टी को लेकर संगीता बिजलानी ने कहा कि अधिकारियों को वहां सीसीटीवी कैमरे लगाने चाहिए, क्योंकि वहां का कुछ एरिया काफी डार्क है। वहां सभी लोग छुट्टियों के समय जाते हैं, पुलिस को रोजाना वहां पेट्रोलिंग करनी चाहिए और माहौल को खराब करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करनी चाहिए। इन्हीं बातों को लेकर मैं आज एसपी संदीप सिंह गिल से मिलने के लिए आई हूं। उन्होंने बताया कि फार्महाउस के आसपास के एरिया में फायर ब्रिगेड का ऑफिस भी नहीं है। फार्महाउस तक पहुंचने के लिए फायर ब्रिगेड को 3 से 4 घंटे लगे थे।

बाबिल खान ने सोशल मीडिया पर बयां किया दिल का दर्द, तस्वीरों के साथ शेयर की भावनाएं

मशहूर अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने शनिवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कर अपने दिल की बातें लोगों के सामने व्यक्त की। बाबिल खान ने अपने इस पोस्ट में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संघर्ष और जीवन की चुनौतियों का जिक्र किया। बाबिल ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनके साथ उन्होंने कैप्शन दिया, मैंने चुपके से कोई बात नहीं सुनी, यह कांच का घर पतली दीवारों वाला है। मैंने अपने दिल को बाजू पर रखा, अब मेरी टी-शर्ट खून से सनी है। मुझे ठीक होने के लिए समय चाहिए था, मेरे डर ने मुझे गहरे घाव दिए। अनिद्रा और घबराहट ने मुझे अजीब बातें कबूल करवाई। मैं मदद के लिए चिल्ला रहा था, अपनी भावनाओं को दबा नहीं पाया। मेरे स्वास्थ्य पर भारी बोझ पड़ा, मेरी आत्मा दबाव से थक गई थी। तुम अपनी प्रेमिका से लड़ रहे थे, जबकि मैं अपनी उदासी से जूझ रहा था... रुको... इस कैप्शन में बाबिल ने अपनी भावनात्मक और मानसिक स्थिति को खुलकर बयां किया। अभिनेता की ये पोस्ट प्रशंसकों के दिल को छू गई। कई यूजर्स उनके कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बाबिल के करियर पर नजर डालें, तो उन्होंने करियर की शुरुआत पिता इरफान खान की फिल्म करीब-करीब सिंगल से बतौर कैमरा असिस्टेंट की थी। इसके बाद उन्होंने 2022 में नेटफ्लिक्स की फिल्म कला से अभिनय की दुनिया में कदम रखा, जिसके बाद उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने खूब सराहा था। साल 2023 में वह वेब सीरीज द रेलवे मेन में नजर आए थे, जिसमें उनके अभिनय ने एक बार फिर सबका ध्यान खींचा।

अब प्यार से डर लगता है, कई बार नींद नहीं आती...

छोटे पर्दे पर पिछले 12-13 साल से एक्टिव रहे शीजान खान की जिंदगी में उस वक्त तूफान आ गया था, जब उन्हें तीन साल पहले को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड केस में जेल जाना पड़ा। हालांकि, जेल से बाइज्जत बरी होने के बाद शीजान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की। जेल में 70 दिन बिताने के बाद जब शीजान वापस घर लौटे, तो यकीनन उनकी जिंदगी अब आसान नहीं थी। खास बातचीत में शीजान ने अपने करियर और निजी जिंदगी, दोनों पर खुलकर बात की है। वह कहते हैं कि आज भी उन्हें कई बार नींद नहीं आती। तुनिषा के जाने के बाद दिल और दिमाग पर ऐसा असर पड़ा है कि अब प्यार से डर लगता है। शीजान अब टीवी पर गुम है किसी के प्यार में के बाद नए शो गंगा माई की बेटियां में सिद्धू के किरदार में चर्चा बटोर रहे हैं। अपने नए शो के बारे में वह कहते है, हमारे इस शो में जेंडर डिस्क्रिमिनेशन का मुद्दा उठाया गया है। ये मैंने अपने आस-पास भी देखा है कि कैसे बेटे की चाहत में औरत पर लगातार बच्चे पैदा करने का दबाव डाला जाता है। ये कोई नहीं सोचता कि उस मां का क्या हाल होता होगा? बेटे के चक्कर में जो पूरी फौज इकट्ठा कर दी जाती है, यह सोच मुझे बहुत अखरती है।

बेटियां पराया धन होती हैं, इस बात से चिढ़ है: शीजान को समाज में लड़की और लड़के के बीच किए जाने वाले भेदभाव पर कड़ा ऐतराज है। वह कहते हैं, मुझे सबसे ज्यादा बुरा तब लगता है, जब बेटियों को कहा जाता है, ये तो पराया धन हैं। मैंने खुद अपनी बहनों को कहा है कि ये तुम्हारा घर है। कल को शादी होने के बाद तुम्हें अपने घर में किसी भी तरह की कोई दिक्कत लगे, तो सीधे घर आ जाना। ये घर उसका ही है। मैं खुद महिलाओं के बीच पला-बढ़ा हूं। मेरी परवरिश मेरी मां और बहनों ने की है, तो मेरा फेमिनिन साइड मेरे मैस्कुलिन साइड से ज्यादा स्ट्रॉन्ग है। मैं अपने उस पहलू पर गर्व करता हूं। मेरा यही पक्ष मुझसे दूसरों से अलग भी बनाता है कि कम से कम मैं दूसरों का साइड समझने की कोशिश करता हूं।

जेल में रहने के दौरान मां और बहन बनीं सबसे बड़ा सहारा

अली बाबा- दास्तान-ए-काबुल से लोकप्रिय हुए शीजान खान, इसी शो में अपनी को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड, और जेल जाने के उस दौर को याद करते हुए कहते हैं, मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर तो वही था। मैं सोचता था कि खुद को संभालू कैसे? क्योंकि तूफान तो गुजर गया और बर्बाद करके गया, मगर उसके बाद का समय बहुत चैलेंजिंग था। मेरी सच्चाई और मेरा जज्बात खुदा जानता है और बहुत जल्द ये दुनिया भी जान जाएगी। उस मुश्किल समय में मेरा खुदा, मेरी मां और बहनें ही मेरा सबसे बड़ा सहारा थीं।

मेरी मां की दुआ काम आई:

अपनी दूसरी पारी के बारे में शीजान कहते हैं, हमारी इंडस्ट्री बहुत छोटी-सी है। मैं यहां 12-13 साल से काम कर रहा हूं, तो लोग मुझे बहुत अच्छे से जानते हैं। उनको मुझ पर भरोसा था, मेरे घर वालों को मुझ पर भरोसा था। मैं भी जानता था कि मैं टूट चुका हूं, मगर बिखरूंगा नहीं। मेरी मां की दुआ थी, जो मुझे जेल से आने के बाद दूसरा मौका मिला। लोगों को तो वो भी नहीं मिलता। मुझे जो भी काम मिला है, मैं करता चला गया।

आकांक्षा पुरी का नया गाना जन्नतां नसीब रिलीज

अभिनेत्री आकांक्षा पुरी इन दिनों अपनी फिल्मों और गानों को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। गुरुवार को उनका नया गाना जन्नतां नसीब रिलीज हो गया है। आकांक्षा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का एक क्लिप शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ÷इंतजार खत्म हुआ! जन्नतां नसीब अब आ गया है! आवाज बढ़ाओ और बीट्स का मजा लो।÷ उनके इस पोस्ट को फैंस ने खूब पसंद किया और कमेंट्स में तारीफों भरी प्रतिक्रियाएं दीं। जन्नतां नसीब को मशहूर सिंगर रुपाली जग्गा ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। गाने के बोल मशहूर गीतकार नूर ने लिखे हैं और म्यूजिक अनमोल डेनियल ने दिया है, जबकि म्यूजिक प्रोडक्शन का जिम्मा अनमोल डेनियल और मैग ने संभाला है। इस जोड़ी ने गाने को एक ताजगी भरा अंदाज दिया है, जो सुनने वालों को झूमने पर मजबूर कर देता है। गाने में आकांक्षा पुरी के शानदार डांस मूव्स और ग्लैमरस लुक ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। वीडियो में उनके डांस स्टेप्स फैंस को दीवाना बना रहे हैं। अभिनेत्री आकांक्षा पुरी ने 2015 में मधुर भंडारकर की फिल्म कैलेंडर गर्ल्स से बॉलीवुड में कदम रखा और 2017 में विघ्नहर्ता गणेश टीवी शो में देवी पार्वती का किरदार

साभार एजेंसी

इंडिया-वेस्टइंडीज टेस्टः

कुलदीप यादव ने पांचवीं बार खोला पंजा

बने दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने दिल्ली में दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन रविवार (12 अक्टूबर) को वेस्टइंडीज को पहली पारी में 248 रन पर आउट कर दिया। भारत के लिए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 5 विकेट झटके। कुलदीप ने पांचवीं बार टेस्ट मैच की एक पारी में 5 विकेट लिए। इसके साथ ही उन्होंने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर के तौर पर टेस्ट में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने के रिकॉर्ड बराबरी कर ली। उनके अलावा इंग्लैंड के जॉनी वार्डले ने 5 बार ऐसा किया है। कुलदीप यादव का रिकॉर्ड जॉनी वार्डले से काफी बेहतर है। उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर के मुकाबले आधे टेस्ट में यह कारनामा कर दिया। वार्डले ने 28 टेस्ट में 5 बार पंजा खोला। वहीं कुलदीप ने केवल 15 टेस्ट में ऐसा कर दिया। साउथ अफ्रीका के पॉल एडम्स तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 45 टेस्ट में 4 बार पारी में 5 विकेट झटके।

कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज के इन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा

वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली में कुलदीप ने 26.5 ओवर में 82 रन देकर 5 विकेट झटके। कुलदीप ने पहला विकेट दूसरे दिन शनिवार (11 अक्टूबर) को लिया था। उन्होंने अलिक अथानाज को रविंद्र जडेजा के हाथों कैच कराया। उन्होंने 41 रन बनाए। कुलदीप ने तीसरे दिन पहले सत्र में साई होप 36 और टेविन इमलाच 21 को पवेलियन भेजा।

कुलदीप यादव का टेस्ट करियर

इसके बाद कुलदीप ने जस्टिन ग्रीव्स को पवेलियन भेजा। उन्होंने 17 रन बनाए। उन्होंने पांचवां विकेट जायडन सील्स के तौर पर लिया। उन्होंने 13 रन बनाए। कुलदीप यादव ने टेस्ट में 15 मैच की 27 पारियों में 21.09 के औसत और 3.52 की इकॉनमी से 65 विकेट लिए हैं। 40 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में रोमन रैंस बन गए क्रिकेटर, कोहली के स्टाइल में लगाया शॉट डब्ल्यूडब्ल्यूई

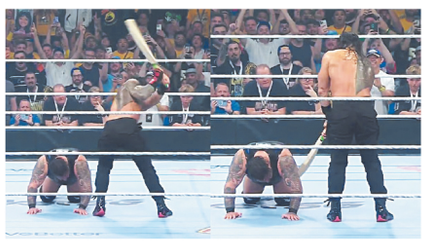

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट में फैन्स को दिलचस्प नजारा देखने को मिला है. सुपरस्टार रोमन रेंस ने विपक्षी रेसलर के खिलाफ क्रिकेट बैट का प्रयोग किया. रेंस ने ब्रॉनसन रीड पर बल्ले से जोरदार प्रहार करते हुए उन्हें रिंग से बाहर फेंक दिया. यह वाकया पर्थ में आयोजित डब्ल्यूडब्ल्यूई क्राउन ज्वेल चैम्पियनशिप 2025 में हुआ. रोमन रेंस के इस मूव को देखकर दर्शक हैरान रह गए. इस मूव ने कुछ फैन्स को विराट कोहली की याद दिला दी है. रेंस ने विराट कोहली की तरह ऐसे बल्ला चलाया, मानो वो गेंद पर कड़ा प्रहार करने जा रहे हों. रोमन रेंस का एग्रेसन और परफॉर्मेंस स्टाइल कोहली की तरह दिखा. कोहली मैदान पर अपने एग्रेसन और फाइटिंग स्पिरिट के लिए जाने जाते हैं. कुछ हफ्ते पहले ऑस्ट्रेलियाई स्ट्रीट फाइट में रोमन रेंस को रीड से हार का सामना करना पड़ा था. रीड ने अपने देश में खेले गए उस मैच में ब्रॉन ब्रेकर के साथ मिलकर रोमन रेंस पर लगातार हमला किया था. मैच में द शील्ड के क्लासिक पावरबॉम्ब मूव की झलक देखने को मिली, जब रेंस एनाउंस टेबल से टकराकर गिर गए थे. उस मैच के दौरान जे उसो अपने चचेरे भाई रोमन रेंस की मदद के लिए आए, लेकिन उनका स्पीयर गलती से रेंस को ही लग गया. इस मौके का फायदा उठाते हुए ब्रॉनसन रीड ने अपना फिनिशिंग मूव लगाया और रेंस को पिन करके हरा दिया था. यह जीत रीड के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रही.

राशिद ने लिए 5 विकेट

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को दूसरा वनडे 81 रन से हराया

● सीरीज अपने नाम की, इब्राहिम जादरान ने 95 रन बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार को अबू धाबी में खेले गए दूसरे मुकाबले में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम ने 44.5 ओवर में 190 रन बनाए। जबाव में बांग्लादेश की टीम 28.3 ओवर में 109 रन पर ऑलआउट हो गई। अफगानिस्तान के ओपनर इब्राहिम जादरान ने 95 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 14 अक्टूबर को अबू धाबी मे ही खेला जाएगा। इब्राहिम जादरान का अर्धशतक पहले बैटिंग करने उतरी अफगानिस्तान की टीम की शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन ओपनर इब्राहिम जादरान ने टीम की कमान संभाली।

उन्होंने 140 गेंदों में 95 रन की शानदार पारी खेली। उनके अलावा मोहम्मद नबी और एएम गजनफर ने 22-22 रन का योगदान दिया। हालांकि बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके और पूरी टीम 44.5 ओवरों में 190 रन पर ऑलआउट हो गई। मेहदी हसन मिराज को 3 विकेट बांग्लादेश की तरफ से मेहदी हसन मिराज टॉप विकेट टेकर रहे। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन देकर तीन विकेट झटके। उनके अलावा रिशाद हुसैन और तंजीम हसन साकिब ने 2-2 विकेट झटके लिए। तनवीर इस्लाम को एक विकेट मिला। बांग्लादेश की बैटिंग फ्लॉप टारगेट का पीछा करते उतरी बांग्लादेश की टीम 28.3 ओवर में 109 रन पर सिमट गई। टीम के लिए तौहीद हृदॉय (24) और सैफ हसन (22) ने थोड़ी कोशिश की, लेकिन बाकी बल्लेबाज ज्यादा संभल नहीं सके।

टीम का कोई भी खिलाड़ी 25 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। राशिद खान ने 5 विकेट झटके अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने बांग्लादेशी बल्लेबाजों को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। राशिद ने 8.3 ओवरों में केवल 17 रन खर्च कर 5 विकेट झटके। उनके साथ अजमतुल्लाह उमरजई ने 3 विकेट लिए। नांगेयालिया खारोटे को एक सफलता मिली।

● 2027 वर्ल्ड कप जीतना मेरा सपना है...

वनडे टीम से बाहर होने पर रवींद्र जडेजा ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी। 19 अक्टूबर से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय क्रिकेट टीम को तीन ओडीआई और पांच टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेलने हैं. इस दौरे पर भारत की वनडे टीम बदली-बदली नजर आएगी. शुभमन गिल को रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम का नया कप्तान बनाया गया है. चयनकर्ताओं ने बड़ा फैसला लेते हुए बाएं हाथ के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को भी वनडे स्क्वॉड से बाहर कर दिया, जो आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम का हिस्सा थे. रोहित शर्मा और विराट कोहली को वनडे टीम में जगह दी गई है, लेकिन रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी ऑलराउंडर का नाम न होना चौंकाने वाला है. जडेजा फरवरी 2009 से भारत के लिए वनडे क्रिकेट खेलते आ रहे हैं और उन्हें मौजूदा दौर के बेहतरीन ऑलराउंडर्स में गिना जाता है. वनडे टीम से बाहर होने पर रवींद्र जडेजा ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है. जडेजा ने साफ कहा कि 2027 वर्ल्ड कप में खेलना उनका लक्ष्य है और वे आगे भी कड़ी मेहनत करते रहेंगे. रवींद्र जडेजा ने कहा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं जरूर खेलना चाहता हूं. हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वो वर्ल्ड कप जीते. 2023 में हम बहुत करीब थे, लेकिन खिताब जीतने से रह गए. टीम मैनेजमेंट ने मुझे पहले ही बता दिया था कि इस सीरीज़ के लिए मुझे नहीं चुना जा रहा है. कप्तान शुभमन गिल, कोच और चयनकर्ताओं ने मुझसे बात की और वजह समझाई. यह बात मुझे स्क्वॉड अनाउंसमेंट से पहले ही पता चल गई थी. रवींद्र जडेजा ने आगे कहा, जब भी मौका मिलेगा, मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा. अभी काफी सारे वनडे मैच बाकी हैं. उम्मीद है कि मुझे मौका मिलेगा और मैं अपने खेल से टीम के लिए योगदान दे सकूंगा, जैसे अब तक देता आया हूं. जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. अहमदाबाद टेस्ट में जडेजा ने शतकीय पारी खेली थी और वो प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे.

टाइगर वुड्स ने गतिशीलता में कमी के बाद डिस्क रिप्लेसमेंट सर्जरी करवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 बार के मेजर चैंपियन टाइगर वुड्स ने बताया है कि दर्द और गतिशीलता में कमी के बाद उन्होंने लम्बर डिस्क रिप्लेसमेंट सर्जरी करवाई है। यह सर्जरी न्यूयॉर्क के हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी के डॉ. शीराज कुरैशी और उनकी टीम द्वारा की गई और सफल रही।

वुड्स ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक बयान में कहा, पीठ में दर्द और गतिशीलता में कमी के बाद मैंने डॉक्टरों और सर्जनों से जांच करवाने के लिए सलाह ली। स्कैन से पता चला कि मेरी Ly/5 डिस्क में कोलैप्स हो गया है, डिस्क के टुकड़े हो गए हैं और स्पाइनल कैनाल क्षतिग्रस्त हो गई है। मैंने कल अपनी डिस्क रिप्लेसमेंट करवाने का फैसला किया और मुझे पहले से ही पता है कि मैंने अपने स्वास्थ्य और पीठ के लिए एक सही फैसला लिया है। वुड्स के लिए एक साल से भी कम समय में यह दूसरी

पीठ की सर्जरी है जिन्होंने सितंबर 2024 में अपनी पीठ के निचले हिस्से में तंत्रिका दबाव को कम करने के लिए अपनी लम्बर स्पाइन पर माइक्रोडिकप्रेशन सर्जरी करवाई थी। वह प्रक्रिया भी कुरैशी ने ही की थी, लेकिन फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच स्थित उनके शल्य चिकित्सा केंद्र पर। मार्च में इस अमेरिकी दिग्गज खिलाड़ी के बाएं अकिलीज टेंडन में चोट लग गई थी और उसकी मरम्मत के लिए सफल सर्जरी हुई थी। वेस्ट पाम बीच फ्लोरिडा स्थित हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी के डॉ. चार्लटन स्टकेन ने टूटे हुए टेंडन की न्यूनतम इनवेसिव अकिलीज टेंडन मरम्मत की। दिसंबर में 50 वर्ष के होने वाले वुड्स ने 2023 में रॉयल ट्रून में आयोजित द ओपन चैंपियनशिप के बाद से PGA टूर में शुरुआत नहीं की है। उन्होंने अपने बेटे चार्ली के साथ PGA टूर चैंपियंस की 2024 पीएनसी चैंपियनशिप (एक कार्ट में) खेली थी।

2025 की शुरुआत में उन्होंने द जेनेसिस इनविटेशनल में खेलने की योजना बनाई थी जिसकी मेजबानी वह फरवरी में करते हैं, लेकिन एक हफ्ते पहले अपनी मां के निधन के कारण उन्होंने इसमें भाग नहीं लेने का फैसला किया। हाल ही में घोषित वर्ल्ड चैलेंज के लिए उनका नाम सूची में नहीं था। यह टूर्नामेंट वह 4 से 7 दिसंबर तक बहामास के अल्बानी में आयोजित करते हैं।

दिल्ली हाफ मैराथन का यह 20वां सत्र, मटाटा और रेंगरुक बने चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। कीनिया के लंबी दूरी के धावक एलेक्स मटाटा और लिलियन कासैट रेंगरुक ने रविवार को वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग की एलीट दौड़ जीतीं। पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रहे मटाटा ने रविवार को 59 मिनट 50 सेकंड का समय निकालकर बोयेलिन टेशागर (एक घंटा 22 सेकंड) और जेम्स किपकोगी (एक घंटा 25 सेकंड) को पछाड़ा।

रेंगरुक ने एक घंटे सात मिनट 20 सेकंड का समय निकालकर महिला वर्ग का खिताब जीता। इथियोपिया की जोड़ी मेलाल सियूम बिरातु (एक घंटा सात मिनट 21 सेकंड) और मुलत टेकले (एक घंटा सात मिनट 29 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। अभिषेक पाल और सीमा भारतीय पुरुष और महिला वर्ग में सबसे तेज धावक रहे। उन्होंने क्रमशः एक घंटे चार मिनट 17 सेकंड और एक घंटे 11 मिनट 23 सेकंड का समय लिया।

दिल्ली हाफ मैराथन का यह 20वां सत्र है, जिसे यहां के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाई गई थी। इसकी कुल पुरस्कार राशि 260,000 डॉलर है।

विश्व शतरंज कपः

गोवा में होगा 17 करोड़ रुपए की इनामी राशि का अंतरराष्ट्रीय महायुद्ध

गोवा, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय शतरंज फेडरेशन ने वर्ल्ड शतरंज कप 2025 के पहले राउंड के मुकाबलों की सूची जारी कर दी हैं। 17 करोड़ रुपए की इनामी राशि की यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता इतिहास में पहली बार 30 अक्टूबर से 27 नवंबर 2025 तक भारत के गोवा में आयोजित की जाएगी।

पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि संसार के 70 से अधिक देशों से कुल 206 खिलाड़ी इसमें हिस्सा लेंगे, 50 शीर्ष वरीय खिलाड़ी सीधे दूसरे राउंड से शुरुआत करेंगे। बाकी 156 खिलाड़ी पहले राउंड में अपने स्थान के लिए संघर्ष करेंगे। भारत के अधिकतर शीर्ष खिलाड़ी दूसरे राउंड से मुकाबला खेलेंगे। भारतीय ओलम्पिक संघ आईओए से मान्यता प्राप्त महाभारत के भीष्म पितामह शक्तिमान मुकेश खन्ना के नेतृत्व वाली भारत सरकार से एकमात्र आयकर छुट प्राप्त हरियाणा शतरंज एसोसिएशन एचसीए के प्रदेश महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि यह इंटरनेशनल टूर्नामेंट न केवल 20 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 17 करोड़ रुपये) की इनामी राशि के लिए खेला जाएगा, बल्कि इसके शीर्ष तीन विजेताओं को 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए सीधी जगह भी मिलेगी। मेजबान देश के तौर पर भारत को दो अतिरिक्त स्थान मिले हैं, जिन्हें प्रणव वेंकटेश और रौनक साधवानी को दिया गया है। दोनों की मौजूदा रेटिंग 2641 है। प्रणव 2025 विश्व जूनियर चैंपियन है जबकि रौनक भारत के सबसे युवा ग्रांडमास्टर्स में से

एक है, जिन्होंने 2024 लंदन चेस मास्टर्स जीता था। इन दोनों खिलाड़ियों के जुड़ने से भारतीय चुनौती और भी मजबूत हो गई है। विश्व चैम्पियन डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंधा, अरुण एरिगैसी, विदित गुजराती, पेंटाला हरिकृष्णा, निहाल सरीन और कई अन्य भारतीय शीर्ष खिलाड़ी पहले ही सूची में हैं।

महिला विश्व कप विजेता ग्रांडमास्टर दिव्या देशमुख को भी फीडे ने एक विशेष वाइल्डकार्ड के रूप में शामिल किया है। भारत में ऐतिहासिक आयोजनः पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि ऐसा इतिहास में पहली बार होगा जब विश्व कप प्रतियोगिता भारत की धरती पर खेली जाएगी। भारत के अधिकतर शीर्ष खिलाड़ी दूसरे राउंड से मुकाबला खेलेंगे जबकि पहले राउंड में राजा ऋत्विक कजाकिस्तान के नोगेरबेक कायबेक से, हर्षवर्धन जीबी तुर्की के यिलमाज मुस्तफा से, एसएल नारायनन पेरु के रोजस सालस स्टीवन से, प्रणव वी अल्जीरिया के आला एडिने से, इनियन पी क्यूबा के डाइलन ईसीडरों से, ललित बाबू नीदरलैंड के मैक्स वरमरदम से, दीप्तयन घोष चीन के पेंग क्षिओंगयन से, कार्तिक वेंकटरामन कोलंबिया के रोबेर्टो पांतोजा से, रौनक साधवानी साउथ अफ्रीका के बररिश डेनियल से, नीलाश सहा उरुग्वे के मेरर जॉर्ज से, सूर्या शेखर गांगुली अजरबैजान के अहमद अहमदजादा से खेलेंगे और दिव्या देशमुख ग्रीस के अर्डितीस स्तमटिस से मुकाबला खेलेंगी।

सीमा पर संघर्ष में 23 पाकिस्तानी सैनिक और 200 से अधिक तालिबान लड़ाके मारे गए : पाक सेना

» इस्लामाबाद/ पेशावर, भाषा।

पाकिस्तानी सेना ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर रात भर हुई भीषण झड़पों में कम से कम 23 पाकिस्तानी सैनिक और तालिबान तथा उससे संबद्ध 200 से अधिक आतंकवादी मारे गए। सीमा पार से आक्रमण के एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के बीच दोनों पड़ोसियों के बीच तनाव बढ़ गया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अफगान बलों द्वारा किए गए अकारण हमलों के जवाब में 19 अफगान सैन्य चौकियों और आतंकवादी ठिकानों पर कब्जा कर लिया है। वहीं, अफगानिस्तान का दावा है कि उसकी जवाबी कार्रवाई के दौरान 58 पाकिस्तानी सैनिकों मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए। सेना ने एक बयान में कहा कि 11-12 अक्टूबर की मध्य रात्रि को अफगान तालिबान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पाकिस्तान-अफगान सीमा पर बिना उकसावे के हमला किया।

इसमें कहा गया है कि सीमा पार से गोलीबारी और सैनिकों द्वारा किए गए हमलों सहित कायरतापूर्ण कार्रवाई का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों को अस्थिर करना था, ताकि आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा सके और आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को बढ़ावा मिल सके। बयान में कहा गया है कि पाकिस्तानी सैनिकों ने पूरी सीमा पर हमले को निर्णायक रूप से विफल कर दिया और तालिबान बलों और संबद्ध ख्वारिजयों (टीटीपी आतंकवादियों) को भारी नुकसान पहुंचाया। इसमें कहा गया कि सुरक्षा बलों ने अफगान क्षेत्र के अंदर तालिबान शिविरों, चौकियों और आतंकवादी प्रशिक्षण सुविधाओं पर सटीक हमले और छापे मारे। रात भर चली झड़पों के दौरान 23 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 29 अन्य घायल हो गए, जबकि 200 से अधिक तालिबान और संबद्ध आतंकवादियों को मार गिराया गया, अफगान पक्ष के 21 शत्रु ठिकानों पर थोड़े समय के लिए भौतिक रूप से कब्जा कर लिया गया और कई आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को निष्क्रिय कर दिया गया। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि उसके बलों ने सामान्य नागरिकों को जानमाल के नुकसान से बचाने के लिए सभी संभव उपाय किए हैं, साथ ही देश की संप्रभुता की रक्षा जारी रखने की शपथ भी ली है। बयान में चेतावनी दी गई कि पाकिस्तान हालांकि हिंसा और आक्रामकता के स्थान पर रचनात्मक कूटनीति और वार्ता को प्राथमिकता देता है, हम पाकिस्तान के विरुद्ध आतंकवाद के लिए अफगान धरती के विश्वासघाती उपयोग को बर्दाश्त नहीं करेंगे। बयान में कहा गया है कि यह गंभीर उकसावा तालिबान के विदेश मंत्री के भारत दौरे के दौरान हुआ। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बाद में कहा कि पाकिस्तान की संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने सेना की मुंहतोड़ प्रतिक्रिया की सराहना की, जिसने रातोंरात कई अफगान चौकियों को नष्ट कर दिया। जरदारी ने तालिबान सरकार से अफगान धरती से सक्रिय पाकिस्तान विरोधी आतंकवादी तत्वों के खिलाफ ठोस और सत्यापन योग्य कार्रवाई करने का आग्रह किया। तालिबान के नेतृत्व वाली अफगानिस्तान सरकार के रक्षा मंत्रालय ने रविवार तड़के हमलों की पुष्टि करते हुए कहा कि उसके बलों ने जवाबी और सफल अभियान चलाया है। मंत्रालय ने कहा, अगर विरोधी पक्ष फिर से अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करता है तो हमारे सशस्त्र बल देश की सीमाओं की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उसका माकूल जवाब देंगे। अफगान बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में अंगूर अड्डा, बाजौर, कुर्म, दीर और चित्राल एवं बलूचिस्तान में बारामचा स्थित पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाया। टोलो न्यूज की खबर के अनुसार, तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि शनिवार रात को एक अभियान के दौरान अफगान बलों की कार्रवाई में 58 पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए और कम से कम 30 घायल हुए हैं। मुजाहिद ने कहा कि डूरंड रेखा के पार जवाबी कार्रवाई के दौरान 20 पाकिस्तानी सुरक्षा चौकियां नष्ट कर दी गई और बड़ी संख्या में हथियार और सैन्य उपकरण जब्त कर लिए गए। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई में नौ अफगान सैनिक मारे गए और 16 घायल हो गए। प्रवक्ता ने बताया कि कतर और सऊदी अरब के अनुरोध पर मध्यरात्रि को अभियान रोक दिया गया।

रातभर सीमा पर चलाए गए अभियान में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया : अफगानिस्तान

पेशावर। अफगानिस्तान ने रविवार को कहा कि उसने रात भर सीमा पर चलाए गए अभियान में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। अफगानिस्तान का कहना है कि उसने यह कार्रवाई अपने क्षेत्र और हवाई क्षेत्र में बार-बार हो रहे उल्लंघन के जवाब में की। इस हफ्ते की शुरुआत में अफगान अधिकारियों ने पाकिस्तान पर राजधानी काबुल और देश के पूर्वी हिस्से में एक बाजार को निशाना बनाकर बमबारी करने का आरोप लगाया था। पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली। तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान बलों ने 25 पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया है, 58 सैनिक मारे गए हैं और 30 अन्य घायल हुए हैं।

बीस पाकिस्तानी सुरक्षा चौकियां नष्ट

पाकिस्तान ने सीमा पर 19 अफगान सुरक्षा चौकियों पर कब्जा किया

» इस्लामाबाद/ पेशावर, भाषा।

पाकिस्तान ने सीमावर्ती क्षेत्रों में हमलों को अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों द्वारा किया गया अकारण हमला बताते हुए इसके जवाब में 19 अफगान सीमा चौकियों और आतंकवादी ठिकानों पर कब्जा कर लिया। वहीं, अफगानिस्तान का दावा है कि उसके जवाबी कार्रवाई के दौरान 58 पाकिस्तानी सैनिकों मारे गए और 30 घायल हो गए। सुरक्षा सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। तालिबान सरकार के रक्षा मंत्रालय ने रविवार तड़के हमलों की पुष्टि की और कहा कि उसके सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। मंत्रालय ने कहा, अगर विरोधी पक्ष फिर से अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करता है तो हमारे सशस्त्र बल देश की सीमाओं की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उसका माकूल जवाब देंगे। अफगान बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में अंगूर अड्डा, बाजौर, कुर्म, दीर और चित्राल एवं बलूचिस्तान में बारामचा स्थित पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाया। टोलो न्यूज की खबर के अनुसार, तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि शनिवार रात को एक अभियान के दौरान अफगान बलों की कार्रवाई में 58 पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए और कम से कम 30 घायल हुए हैं। मुजाहिद ने कहा कि डूरंड रेखा के पार जवाबी कार्रवाई के दौरान 20 पाकिस्तानी सुरक्षा चौकियां नष्ट कर दी गई और बड़ी संख्या में हथियार और सैन्य उपकरण जब्त कर लिए गए। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई में नौ अफगान सैनिक मारे गए और 16 घायल हो गए। प्रवक्ता ने बताया कि कतर और सऊदी अरब के अनुरोध पर मध्यरात्रि को अभियान रोक दिया गया। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने सीमा चौकियों पर तालिबान के हमलों को अकारण बताया और उन पर आम नागरिकों पर गोलीबारी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अफगान बलों ने

नागरिक आबादी को निशाना बनाकर गोलीबारी की, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। पाकिस्तान के जांबाज सुरक्षा बलों ने त्वरित और असरदार जवाब दिया है और किसी भी उकसावे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेनाएं सतर्क हैं और अफगानिस्तान को ईट का जवाब पत्थर से दिया जा रहा है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की ओर से कथित तौर पर अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल करते हुए बार-बार आतंकवादी हमले करने के बाद दोनों पड़ोसियों के बीच स्थिति बिगड़ गई, जिसमें पिछले हफ्ते अशांत खैबर पख्तूनख्वा के ओरकजई जिले में हुआ एक हमला भी शामिल है। उस हमले में एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर समेत 11 सैन्यकर्मियों की जान चली गई थी। अफगानिस्तान की राजधानी से बृहस्पतिवार रात को विस्फोटों की खबरें मिलीं। अफगानिस्तान ने इन हमलों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया, हालांकि पाकिस्तानी सेना ने इसपर कोई जवाब नहीं दिया। माना जा रहा है कि काबुल में हमलों के बाद अफगान सुरक्षा बलों ने शनिवार रात पाकिस्तान को निशाना बनाकर हमले किए। सरकारी मीडिया के अनुसार, पाकिस्तान ने रविवार तड़के जवाबी कार्रवाई करते हुए कई सीमावर्ती इलाकों पर हमला किया गया और सीमा चौकियों को नष्ट कर दिया गया।

पाकिस्तान ने सीमा पर स्थित अफगानिस्तान की सुरक्षा चौकियों पर हमला किया

इस्लामाबाद, (भाषा)। पाकिस्तान ने सीमावर्ती क्षेत्रों में हमलों को अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों द्वारा किया गया अकारण हमला बताते हुए इसके जवाब में कई अफगान सीमा चौकियों, प्रशिक्षण शिविरों और आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया। सुरक्षा सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। तालिबान सरकार के रक्षा मंत्रालय ने रविवार तड़के हमलों की पुष्टि की और कहा कि उसके सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्वाई की। मंत्रालय ने कहा, अगर विरोधी पक्ष फिर से अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करता है तो हमारे सशस्त्र बल देश की सीमाओं की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उसका माकूल जवाब देंगे। अफगान बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में अंगूर अड्डा, बाजौर, कुर्म, दीर और चित्राल एवं बलूचिस्तान में बारामचा स्थित पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाया। वहीं पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने सीमा चौकियों पर तालिबान के हमलों को अकारण बताया और उन पर आम नागरिकों पर गोलीबारी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अफगान बलों ने नागरिक आबादी को निशाना बनाकर गोलीबारी की जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। पाकिस्तान के जांबाज सुरक्षा बलों ने त्वरित और असरदार जवाब दिया है और किसी भी उकसावे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेनाएं सतर्क हैं और अफगानिस्तान को ईट का जवाब पत्थर से दिया जा रहा है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की ओर से कथित तौर पर अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल करते हुए बार-बार आतंकवादी हमले करने के बाद दोनों पड़ोसियों के बीच स्थिति बिगड़ गई, जिसमें पिछले हफ्ते अशांत खैबर पख्तूनख्वा के ओरकजई जिले में हुआ एक हमला भी शामिल है। उस हमले में एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर समेत 11 सैन्यकर्मियों की जान चली गई थी।अफगानिस्तान की राजधानी से बृहस्पतिवार रात को विस्फोटों की खबरें मिलीं। अफगानिस्तान ने इन हमलों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया, हालांकि पाकिस्तानी सेना ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया। माना जा रहा है कि काबुल में हमलों के बाद अफगान सुरक्षा बलों ने शनिवार रात पाकिस्तान को निशाना बनाकर हमले किए। सरकारी मीडिया के अनुसार, पाकिस्तान ने रविवार तड़के जवाबी कार्रवाई करते हुए कई सीमावर्ती इलाकों पर हमला किया गया और सीमा चौकियों को नष्ट कर दिया गया। इस घटनाक्रम पर पाकिस्तानी सेना की ओर से कोई आधिकारिक बयान या टिप्पणी नहीं आई है।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में गांजे के सेवन के बाद तालिबान के हमले की यादें ताजा हुईं : मलाला का खुलासा

» लंदन, भाषा।

नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त मलाला यूसुफजई ने खुलासा किया है कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में दोस्तों के साथ गांजे के सेवन के बाद उन्हें 13 साल पहले तालिबान द्वारा उन पर किए गए हमले की यादें ताजा हो गई थीं। मलाला (28) को 2012 में एक तालिबानी बंदूकधारी ने सिर में गोली मार दी थी। अपने संस्मरण फाइंडिंग माई वे के विमोचन से पहले इस सप्ताहांत द गार्जियन समाचारपत्र के साथ एक साक्षात्कार में मलाला ने कहा कि जब उन्होंने बोंग या पानी के पाइप से गांजे का सेवन किया तो गोलीबारी की उस घटना की स्मृति ताजा हो गई। मलाला को स्वात घाटी से जीवनरक्षक सर्जरी के लिए हवाई मार्ग से ब्रिटेन लाया गया था।

उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के लेडी मार्गरेट हॉल कॉलेज में गांजा सेवन की घटना का उल्लेख करते हुए कहा, उस (रात) के बाद, सबकुछ हमेशा के लिए बदल गया। उन्होंने द गार्जियन से कहा, मैंने हमले के इतने करीब कभी महसूस नहीं किया था, जो मैंने उस समय किया था। मुझे लगा जैसे मैं वो समय फिर से जी रही हूं। इस घटना के कारण उन्हें चिंता और घबराहट के दौरे पड़ने लगे, जिसका उनकी विश्वविद्यालय की पढ़ाई पर गहरा असर पड़ा और उन्हें बाद में उसे उपचार कराना पड़ा। उन्होंने कहा, मैं एक हमले से बच गई और मुझे कुछ नहीं हुआ तथा मैंने इसे हंसी में उड़ा दिया। मुझे लगा कि मुझे कुछ भी भयभीत नहीं कर सकता, कुछ भी नहीं। और फिर मैं छोटी-छोटी बातों से डरने लगी और इसने मुझे अंदर से पूरी तरह तोड़ दिया। मलाला ने कहा, लेकिन, आपको पता है, इस सफर में मुझे एहसास हुआ कि वास्तव में बहादुर होने का क्या मतलब है।

न्यूज ब्रीफ

सैनिकों को भुगतान सुनिश्चित करने के लिए पेंटागन सभी उपलब्ध धन का उपयोग करेः ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

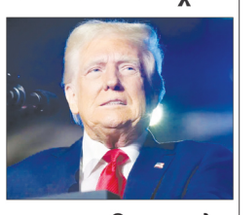

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उन्होंने रक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह सरकारी वित्त पोषण रुकने के कारण हुए शटडाउन के बावजूद अमेरिकी सैनिकों को बुधवार को वेतन देने के लिए सभी उपलब्ध धनराशि का उपयोग करे। ट्रंप ने कहा कि यह एक अल्पकालिक उपाय है जो उन लाखों संघीय कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा जिन्हें छुट्टी पर भेज दिया गया है। राष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह इसलिए कदम उठा रहे हैं अन्यथा हमारे बहादुर सैनिकों को निर्धारित 15 अक्टूबर को उनका वेतन नहीं मिल पाएगा।

ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं को दोषी ठहराते हुए कहा कि वह कमांडर-इन-चीफ के रूप में अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को 15 अक्टूबर को सैनिकों को वेतन दिलाने के लिए सभी उपलब्ध धनराशि का उपयोग करने का निर्देश दे रहे हैं। एक अक्टूबर को संघीय बजट चक्र की शुरुआत में सरकारी वित्त पोषण रुकने से शटडाउन के कारण सरकारी कामकाज ठप होने के बाद अमेरिकी सैन्यकर्मियों को बुधवार को अपना अगला वेतन नहीं मिलने का खतरा था।अमेरिका में लगभग 13 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं और कैपिटल हिल (संसद भवन परिसर) के सांसदों की शटडाउन के नकारात्मक प्रभावों पर चर्चा के दौरान सैनिकों को वेतन नहीं मिलने की आशंका चर्चा का मुख्य विषय रही है।

अमेरिका के टेनेसी में विस्फोटक सामग्री के संयंत्र में हुए धमाके में 16 लोगों की मौतः शेरिफ

» मैकएवेन (अमेरिका), भाषा।

अमेरिका में टेनेसी के एक ग्रामीण क्षेत्र में विस्फोटक सामग्री के एक संयंत्र में विस्फोट होने से 16 लोगों की मौत हो गई और कोई जीवित नहीं बचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हम्फ्रेज काउंटी के शेरिफ क्रिस डेविस ने बताया कि सेना के लिए विस्फोटकों की आपूर्ति करने वाली कंपनी एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स के संयंत्र में शुक्रवार सुबह विस्फोट हुआ जिससे कम से कम आधा मील (800 मीटर) क्षेत्र में मलबा बिखर गया और 15 मील (24 किलोमीटर) से अधिक दूर तक के निवासियों ने भी इसे महसूस किया। विस्फोट का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। डेविस ने बताया कि 16 लोग लापता हैं और बचाव अभियान के दौरान कोई जीवित नहीं मिला। घटनास्थल की फुटेज में शुक्रवार को पहाड़ी पर स्थित इस फैक्टरी के ऊपर धुंआ ही धुंआ नजर आया।

वहां केवल नष्ट हुई धातु का ढेर, कारों के जले हुए खोल और मलबा है। डेविस ने इसे अब तक देखे गए सबसे बुरे दृश्यों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि अधिकारी घटनास्थल की जांच कर रहे हैं। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, वह नैशविले से लगभग 60 मील (97 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में बक्सनॉर्ट क्षेत्र में जंगली पहाड़ियों पर फैली आठ इमारतों वाले कारखाने में विस्फोटक और गोला-बारूद का प्रसंस्करण करती है। एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उसकी संवेदनाए और प्रार्थनाएं प्रभावित परिवारों तथा समुदाय के साथ हैं।

मिसिसिपी राज्य में गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं में छह लोगों की मौत

» लेलैंड (अमेरिका), भाषा।

अमेरिका के मिसिसिपी राज्य में गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य के सीनेटर ने शनिवार को बताया कि मिसिसिपी के पश्चिम में डेल्टा क्षेत्र के लेलैंड में एक हाई स्कूल में पूर्व छात्रों के लिए आयोजित फुटबॉल मैच के बाद हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। सीनेटर डेरिक सिमंस ने बताया कि मैच के बाद लेलैंड शहर में लोगों के इकट्ठा होने के बाद हुई गोलीबारी में लगभग 20 लोग घायल हो गए।

सिमंस ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि 20 घायलों में से चार की हालत गंभीर है और उन्हें पास के ग्रीनविले के एक अस्पताल से राज्य की राजधानी जैक्सन के एक बड़े चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया है। सिमंस ने कहा कि उन्हें वाशिंगटन काउंटी शेरिफ कार्यालय और डेल्टा के अन्य कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने घटनाक्रम की जानकारी दी है। सिमंस ने कहा, लोग लेलैंड शहर में इकट्ठा होकर अच्छा समय बिता रहे थे। उन्हें बताया गया कि गोलीबारी के बाद माहौल काफी अराजक था और घटना के बाद मौके पर पुलिस, शेरिफ के डिप्टी और एंबुलेंस पहुंचे। उन्होंने कहा, यह एक बेतुकी गोलीबारी की घटना है। यही महसूस होता है कि बंदूकों का प्रचलन बढ़ गया है। सिमंस ने बताया कि अब तक किसी की गिरफ्तारी की घोषणा नहीं की गई है और उन्होंने शनिवार सुबह कहा कि उन्हें संभावित संदिग्धों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा, अधिकारी जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि वे इसकी तह तक पहुंचेंगे। वहीं, पूर्वी मिसिसिपी के हीडलबर्ग में गोलीबारी की एक अलग घटना में दो लोगों की मौत हो गई। मिसिसिपी शहर की पुलिस एक समारोह के आयोजन के दौरान हुई गोलीबारी की इस घटना की जांच कर रही है। हीडलबर्ग के पुलिस प्रमुख कॉर्नेल व्हाइट ने बताया कि दो लोगों की शुक्रवार रात स्कूल परिसर में हत्या कर दी गई। उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि पीड़ित छात्र थे या नहीं और न ही अपराधों के बारे में कोई अन्य जानकारी दी। व्हाइट ने शनिवार सुबह कहा, अभी हम इस मामले पर विस्तृत जानकारी नहीं दे सकते। जैस्पर काउंटी शेरिफ कार्यालय ने एक बयान में कहा कि हीडलबर्ग गोलीबारी में पूछताछ के लिए 18 वर्षीय व्यक्ति की तलाश की जा रही है। शेरिफ ने कहा कि अगर किसी के पास कोई जानकारी है तो वह पुलिस प्रमुख या शेरिफ कार्यालय से संपर्क कर सकता है।

गाजा में सहायता सामग्री की आपूर्ति तेज करने की तैयारी शुरू

काहिरा। युद्ध से तबाह हो चुके गाजा में संघर्षविराम समझौते के तहत सहायता सामग्री की आपूर्ति तेज करने की तैयारियां जारी हैं। गाजा में मानवीय सहायता की जिम्मेदार इजराइली रक्षा इकाई सीओजीएटी ने कहा कि समझौते के अनुसार रविवार को गाजा पट्टी में पहुंचने वाली सहायता की मात्रा बढ़कर लगभग 600 ट्रक प्रतिदिन हो जाने की उम्मीद है। मिस्र ने कहा है कि वह रविवार को 400 ट्रक सहायता सामग्री गाजा भेज रहा है। इन ट्रकों की इजराइली सेना जांच करेगी, उसके बाद ही इन्हें अंदर जाने की अनुमति मिलेगी। एसोसिएटेड प्रेस की वीडियो फुटेज में दिखाया गया कि दर्जनों ट्रक मिस्र की ओर से रफह सीमा क्रॉसिंग कर रहे थे। मिस्र के रेड क्रिसेंट ने कहा कि इन ट्रकों में दवाइयां, टेंट, कंबल, खाना और ईंधन है। ये ट्रक निरीक्षण के लिए केरम शालोम क्रॉसिंग के क्षेत्र में भेजे जाएंगे, जहां इजराइली सैनिक उनकी जांच करेंगे। हाल के महीनों में, जितनी सहायता सामग्री जरूरत है उसमें से संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगी केवल 20 प्रतिशत जरूरी सहायता ही गाजा पहुंचा पाए हैं, जिसकी वजह लड़ाई, सीमा बंद होना और इजराइली पाबंदियां हैं। इजराइल के बढ़ते हमलों और मानवीय सहायता पर लगी पाबंदियों ने एक भूख संकट पैदा कर दिया है, जिसमें गाजा के कुछ हिस्सों में अकाल की स्थिति बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि लगभग1,70,000 मीट्रिक टन भोजन, दवाइयां और अन्य मानवीय सहायता गाजा भेजे जाने के लिए तैयार है और इसके लिए इजराइल की अनुमति की प्रतीक्षा है।

मेक्सिको में भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन में कम से कम 41 लोगों की मौत

» पोजा रिका (मेक्सिको), भाषा।

मेक्सिको में लगातार बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण 41 लोगों की मौत हो गई। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। वेराक्रूज राज्य में छह से नौ अक्टूबर तक लगभग 540 मिलीमीटर (21 इंच से अधिक) बारिश हुई। मेक्सिको सिटी से 170 मील (275 किलोमीटर) उत्तर-पूर्व में स्थित तेल नगरी पोजा रिका में बाढ़ से पहले कोई खास चेतावनी जारी नहीं की गई थी। मेक्सिको के राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा समन्वय ने बताया कि मेक्सिको सिटी के उत्तर में स्थित हिडाल्गो राज्य में शनिवार तक भारी बारिश से 16 लोगों की मौत हो गई और 150 समुदायों को बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या का सामना करना पड़ा।

मेक्सिको सिटी के पूर्व में स्थित पुएब्ला राज्य में कम से कम नौ लोग मारे गए और 16,000 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए। वेराक्रूज राज्य में 15 लोगों की मौत हुई है जहां थल सेना एवं नौसेना भूस्खलन और बाढ़ के कारण अलग-थलग पड़े 42 समुदायों के निवासियों को बचाने में मदद कर रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि बचावकर्मी पूरे क्षेत्र में 27 लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। खाड़ी तट पर स्थित वेराक्रूज राज्य की 55 नगरपालिकाओं में 16,000 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए।

सेशेल्स में पैट्रिक हर्मिनी ने राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता

» विक्टोरिया (सेशेल्स), भाषा।

सेशेल्स में विपक्ष के नेता पैट्रिक हर्मिनी ने शनिवार को दूसरे चरण के मतदान में मौजूदा नेता वेवल रामकलावन को हराकर राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत लिया। रविवार तड़के जारी आधिकारिक परिणाम में यह जानकारी दी गई। नतीजों के अनुसार, हर्मिनी को 52.7 प्रतिशत वोट मिले, जबकि रामकलावन को 47.3 प्रतिशत वोट मिले। हर्मिनी यूनाइटेड सेशेल्स पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसने 2020 में सत्ता गंवाने से पहले चार दशकों तक देश का नेतृत्व किया था।

रामकलावन ने लिनयोन डेमोक्रेटिक सेसेलवा पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रपति पद के लिए दो सप्ताह पूर्व हुए मतदान में कोई स्पष्ट विजेता नहीं मिलने के बाद दूसरे चरण का मुकाबला हुआ था जिसमें मुख्य दावेदार रामकलावन और हर्मिनी थे। मतदान बृहस्पतिवार को शुरू हुआ लेकिन द्वीप राष्ट्र के अधिकतर लोगों ने शनिवार को मतदान किया।

ट्रंप ने एक नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी

चीन ने दुर्लभ खनिज निर्यात पर पाबंदियों का बचाव किया

» बीजिंग, भाषा।

चीन ने दुर्लभ खनिज और ऐसी अन्य वस्तुओं के निर्यात पर अंकुश से जुड़े फैसले का बचाव करते हुए इसे वैश्विक शांति की रक्षा के लिए एक वैध कदम बताया तथा अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीनी निर्यात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की अपनी धमकी पर कायम रहते हैं, तो वह ठोस कदम उठाएगा। चीन ने बृहस्पतिवार को दुर्लभ खनिज, लिथियम बैटरी और दुर्लभ खनिज-आधारित सामग्री के खनन व प्रसंस्करण से संबंधित तकनीकों और उपकरणों के निर्यात पर नई पाबंदियों की घोषणा की थी।

तत्काल प्रभावी हुई इन पाबंदियों के दायरे में उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विदेशी हस्तांतरण भी आता है। बीजिंग ने कहा कि यह निर्णय इस चिंता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है कि कुछ विदेशी कंपनियां सैन्य उद्देश्यों के लिए चीन से प्राप्त सामग्रियों का उपयोग कर रही हैं। चीन के इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है, जिसके बाद दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध फिर से शुरू हो गया। ट्रंप की धमकी से जुड़े एक प्रश्न का उत्तर देते हुए चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में अमेरिका पर राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा को बढ़ा-चढ़ाकर पेश

करने का आरोप लगाया। बयान में कहा गया, जानबूझकर उच्च शुल्क लगाने की धमकी देना चीन के साथ तालमेल बिठाने का सही तरीका नहीं है। व्यापार युद्ध पर चीन का रुख पहले जैसा है हम व्यापार युद्ध नहीं चाहते, लेकिन हम इससे डरते भी नहीं।इसने अमेरिका से आग्रह किया कि वह अपनी गलत प्रथाओं को तुरंत सुधारे , दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच फोन कॉल के दौरान बनी महत्वपूर्ण सहमति का पालन करे , परामर्श के कठिन परिणामों की रक्षा करे , तथा वार्ता और पारस्परिक सम्मान एवं समान परामर्श के माध्यम से व्यापार मतभेदों को हल करे। बयान में कहा गया, अगर अमेरिका गलत रास्ते पर जाने पर अड़ा रहता है, तो चीन निश्चित रूप से अपने वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाएगा। इसमें कहा गया कि एक जिम्मेदार प्रमुख देश के रूप में, चीन विश्व शांति और क्षेत्रीय स्थिरता की बेहतर रक्षा करने तथा परमाणु अप्रसार और अन्य अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने के लिए कानून के अनुसार संबंधित वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लागू करता है। बयान में स्पष्ट किया गया कि चीन के निर्यात नियंत्रण निर्यात प्रतिबंध नहीं हैं और योग्य आवेदनों के लिए लाइसेंस जारी किए जाएंगे, जिनमें आपदा राहत और चिकित्सा सहायता जैसे मानवीय उद्देश्यों के लिए निर्यात भी शामिल हैं। चीन वैश्विक दुर्लभ मृदा खनन का लगभग 70 प्रतिशत तथा उनके प्रसंस्करण का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। चीन इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, पवन ऊर्जा तथा रक्षा उपकरणों के विनिर्माण के लिए महत्वपूर्ण खनिजों का विश्व का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। अमेरिका, यूरोपीय संघ और भारत चीन की दुर्लभ मृदा धातुओं के शीर्ष आयातक हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,